सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

" बीता हुआ कल बदला नहीं जा सकता
लेकिन आने वाला कल हमेशा आपके हाथ में होता है...!!
अज्ञात...

वर्ष–01 अंक–288 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, शुक्रवार 06 नवंबर 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए

अहिवारा स्थित शासकीय कॉलेज का नामकरण स्व. डोमन लाल कोसेर्वाड़ा के नाम पर किए जाने की मुख्यमंत्री ने की घोषणा

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय दुर्ग जिले के भिलाई-3 स्थित स्वामी आत्मानंद शासकीय विद्यालय पहुंचकर छत्तीसगढ़ के राजनीतिक और सामाजिक जीवन में अपनी विशिष्ट पहचान बनाने वाले मृदुभाषी, मिलनसार एवं अनुभवी व्यक्तित्व के धनी अहिवारा के विधायक स्वर्गीय डोमन लाल कोसेर्वाड़ा को पुष्पांजलि अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रदेश एवं क्षेत्र के विकास तथा अनुसूचित जाति के उत्थान के लिए उनके द्वारा किए गए उल्लेखनीय योगदान को याद किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि स्वर्गीय श्री कोसेर्वाड़ा का निधन छत्तीसगढ़ के लिए अपूरणीय क्षति है। उनके द्वारा समाज और प्रदेश के विकास के लिए किए गए कार्य सदैव स्मरणीय रहेंगे। उनकी कमी हमेशा महसूस की जाएगी। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय श्री कोसेर्वाड़ा को उनके वास्तविक नाम से अधिक लोग गुरुजी के नाम से ज्यादा जानते थे। उनका सरल स्वभाव, मिलनसार व्यक्तित्व और सामाजिक सरोकारों के प्रति समर्पण उन्हें विशिष्ट पहचान दिलाता था। मुख्यमंत्री ने उनके साथ जुड़े आत्मीय प्रसंग को साझा करते हुए बताया कि जब स्वर्गीय श्री कोसेर्वाड़ा हैदराबाद में उपचार के लिए भर्ती थे, तब उन्होंने स्वयं फोन कर उनका हाल-चाल जाना था तथा प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्री जायसवाल को भी उनका हाल जानने के लिए हैदराबाद जाने के निर्देश दिए थे।



मुख्यमंत्री श्री साय ने आगे कहा कि अनुसूचित जाति के विकास, उत्थान और सामाजिक सशक्तिकरण के लिए स्वर्गीय श्री कोसेर्वाड़ा द्वारा किए गए कार्य ऐतिहासिक हैं। उनका योगदान आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बना रहेगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने अहिवारा स्थित शासकीय महाविद्यालय का नामकरण स्वर्गीय डोमन लाल कोसेर्वाड़ा के नाम पर किए जाने की घोषणा की।

इस अवसर पर स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग, विधि एवं विधायी कार्य मंत्री गजेन्द्र यादव, कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार, अनुसूचित जाति विकास गुरु खुशवंत साहब, रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल एवं जगदलपुर के विधायक किरण देव ने भी कार्यक्रम को सम्बोधित किया। उन्होंने स्वर्गीय श्री कोसेर्वाडा के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाले। साथ ही अपनी भावभीनी श्रद्धांजली अर्पित की।

श्रद्धांजली सभा में छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण व अन्य पिछड़ा वर्ग आयोग विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष, दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चन्द्राकर, जनपद पंचायत पाटन की अध्यक्ष श्रीमती कीर्ति नायक, कलेक्टर अभिजीत सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल सहित अन्य अधिकारी तथा छत्तीसगढ़ प्रदेश के दूर-दराज से पहुंचे जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में जनसमुदाय उपस्थित थे।

मिडटर्म में हार के बाद ट्रम्प पर दोहरी आफत, महाभियोग की तैयारी में डेमोक्रेट्स



नई दृष्टिबिंदु / वाशिंगटन-नई दिल्ली

अमेरिका में मिडटर्म चुनाव में करारी हार के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की मुश्किलें बढ़ गई हैं। डेमोक्रेट्स ने महाभियोग की तैयारी शुरू कर दी है।

कैलिफोर्निया से डेमोक्रेटिक सांसद रॉबर्ट गार्सिया ने कहा है कि वे जांच करेंगे कि राष्ट्रपति रहते ट्रम्प और उनके परिवार की संपत्ति कैसे बढ़ी। उनका फोकस ट्रम्प के बेटों और दामाद जेरेड कुशनर के कारोबारी सौदों पर है। इसके लिए पांच मुद्दे तय किए गए हैं। गार्सिया ने कहा कि ट्रम्प को अच्छा वकील तलाश लेना चाहिए।

इधर रिपब्लिकन पार्टी में भी फूट दिख रही है। उपराष्ट्रपति जेडी वेंस इस चुनाव में प्रमुख प्रचारक थे और उन्हें ट्रम्प का उत्तराधिकारी माना जाता है, लेकिन हार के बाद 2028 की उनकी दावेदारी पर असर पड़ सकता है। फ्लोरिडा के रॉन डेसेंटिस और सीनेटर टेड क्रूज भी संभावित दावेदार हैं।

अब तक के नतीजों में हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव में डेमोक्रेट्स को 247 और रिपब्लिकन को 153 सीटें मिली हैं, 35 का रिजल्ट बाकी है। सीनेट में डेमोक्रेट्स 54 और रिपब्लिकन 44 पर हैं, 2 सीटों का रिजल्ट बाकी है। गवर्नर पद पर डेमोक्रेट्स 28 और रिपब्लिकन 20, 2 का रिजल्ट बाकी।

इस बार अमेरिका में 50 में से 17 राज्यों में महिला गवर्नर बनी हैं, जिनमें 14 डेमोक्रेट और 3 रिपब्लिकन हैं। दोनों सदनों में 148 महिलाएं जीती हैं। पांच राज्यों में एक साथ अश्वेत गवर्नर चुने गए हैं। हकीम जेफ्रीज पहले अश्वेत स्पीकर बन सकते हैं। ट्रम्प अब टीम में बदलाव की तैयारी में हैं। भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर को विदेश मंत्री बनाया जा सकता है।

'प्रोटेक्शन मनी' लेने वालों की जानकारी देगा सौरभ, CBI को मिली है आठ दिन की रिमांड

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छह हजार करोड़ के महादेव सट्टा ऐप घोटाले में मुख्य आरोपी सौरभ चंद्राकर से उड़कप्रोटेक्शन मनी लेने वाले नेताओं और अधिकारियों के बारे में पूछताछ करेगी। सीबीआई ने अदालत में 10 दिन की रिमांड मांगी थी, बुधवार को विशेष अदालत ने ओमान से प्रत्यर्पित चंद्राकर को 8 दिन की सीबीआई हिरासत में भेज दिया।

CBI ने रिमांड अर्जी में कहा है कि सौरभ और उसके साथियों ने पुलिस, प्रशासनिक अधिकारियों और प्रभावशाली नेताओं को नियमित रूप से बड़ी रकम देकर संरक्षण हासिल किया था। धोखाधड़ी से जुटाई गई रकम के संग्रह, उसे बांटने, विदेश भेजने और उससे बनी संपत्तियों का पता लगाने के लिए भी पूछताछ जरूरी है।



CBI का दावा है कि 2020 में लॉकडाउन के बाद से सौरभ और रवि उप्पल हर महीने करीब 450 करोड़ रुपये कमा रहे थे। अवैध लेनदेन के लिए फर्जी दस्तावेजों पर सैकड़ों बैंक खाते खुलवाए गए थे। प्रमोटर अवैध कमाई का 70 से 80 प्रतिशत अपने पास रखते थे। एजेंसी के अनुसार हवाला ऑपरेटरों के जरिए प्रोटेक्शन मनी पहुंचाई जाती थी, जिसमें पुलिस अधिकारी और कर्मचारी भी शामिल थे।

बता दें कि ED भी धनशोधन मामले की जांच कर रही है। यह मामला भूपेश बघेल सरकार के कार्यकाल में सामने आया था। भाजपा सरकार आने के बाद मार्च 2024 में EOW ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, रवि उप्पल, सौरभ चंद्राकर, शुभम सोनी सहित 14 लोगों के खिलाफ FIR दर्ज की थी।

3500 से अधिक CHOs ने किया स्वास्थ्य भवन घेराव का प्रयास पुलिस ने बैरिकेड लगाकर रोका



नई दृष्टिबिंदु / नवा रायपुर

पांच सूत्रीय मांगों को लेकर प्रदेशभर से आए 3500 से अधिक सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों ने बुधवार को तूता धरना स्थल से स्वास्थ्य भवन घेराव के लिए कूच किया। पुलिस ने मुख्य द्वार और अंडरब्रिज के पास बैरिकेडिंग कर उन्हें रोक दिया।

प्रदेश अध्यक्ष प्रफुल्ल कुमार के नेतृत्व में CHOs ने जमकर नारेबाजी की और मिशन संचालक ठल्हर को ज्ञापन सौंपा। संघ ने कहा कि 3-4 साल से इंसेंटिव के लिए आंदोलन करना पड़ रहा है। राज्य कार्यालय हर माह 10 तारीख तक भुगतान का आदेश देता है, लेकिन जिला-ब्लॉक स्तर पर पालन नहीं होता।

पांच प्रमुख मांगें

1. इंसेंटिव घोटाले के नाम पर उल्हर के खिलाफ द्वेषपूर्ण आदेश निरस्त हो और 7-8 माह की लंबित राशि का भुगतान हो
2. प्रोत्साहन राशि को मूल वेतन में समायोजित किया जाए
3. उप स्वास्थ्य केंद्र स्तर पर लड़ाका पुनरीक्षण और न्यायसंगत कार्य विभाजन
4. सुकमा जिले में ढ़ाबड़ पोर्टल पर गलत ग्रेड भुगतान की जांच और अंतर राशि का भुगतान
5. 10 तारीख तक सत्यापन-भुगतान न करने वाले अधिकारियों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई

संघ ने चेतावनी दी कि मांगें पूरी नहीं हुईं तो अनिश्चितकालीन आंदोलन शुरू किया जाएगा।

भिलाई छावनी इंडस्ट्रियल एरिया के जगदंबा फोम के गोदाम में लगी आग, सामान जलकर खाक

भिलाई। दुर्ग जिले के भिलाई में शुक्रवार को छावनी इंडस्ट्रियल एरिया स्थित जगदंबा फोम के गोदाम में अचानक आग लगने से आसपास अफरा-तफरी मच गई। आग की चपेट में आने से गोदाम में रखे सोफे, गद्दे और अन्य फोम सामग्री को भारी नुकसान पहुंचा है। शुरुआती जानकारी के अनुसार, लाखों रुपये का सामान आग में जल गया है। हालांकि, नुकसान की वास्तविक राशि का आकलन अभी किया जा रहा है।

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक शुक्रवार को जगदंबा फोम के गोदाम में अचानक आग भड़क उठी। गोदाम में बड़ी मात्रा में फोम और उससे बनी सामग्री रखी हुई थी। आग की चपेट में आने से सोफे, गद्दे और अन्य सामान जलने लगे। घटना के बाद औद्योगिक क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

आग लगने की सूचना तत्काल दमकल विभाग को दी गई। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने के लिए अभियान शुरू किया। दमकलकर्मी आग बुझाने के प्रयास में जुटे हुए हैं। गोदाम में फोम जैसी ज्वलनशील सामग्री मौजूद होने के कारण आग लगने की घटना को गंभीर माना जा रहा है। दमकल टीम की प्राथमिकता आग को नियंत्रित करना और उसे आसपास के हिस्सों में फैलने से रोकना है। घटना की जानकारी मिलने पर छावनी थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची। पुलिस आग लगने की परिस्थितियों का पता लगाने में जुटी हुई है। फिलहाल आग लगने के वास्तविक कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है। आग किसी तकनीकी खराबी, विद्युत संबंधी समस्या या अन्य कारण से लगी, इस संबंध में अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस और संबंधित विभाग की जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।



गोदाम में रखे लाखों रुपये कीमत के सोफे, गद्दे और फोम सामग्री के जलने की प्रारंभिक जानकारी सामने आई है। आग पूरी तरह नियंत्रित होने और प्रभावित सामग्री का निरीक्षण किए जाने के बाद नुकसान की वास्तविक राशि निर्धारित हो सकेगी। घटना के संबंध में किसी के घायल होने या जनहानि की आधिकारिक जानकारी फिलहाल उपलब्ध नहीं है। आग बुझाने का अभियान और मामले की जांच जारी है।

यूपीएससी मुख्य परीक्षा का रिजल्ट घोषित, 2526 इंटरव्यू के लिए चयनित

नई दिल्ली। यूपीएससी ने सिविल सेवा मुख्य परीक्षा 2026 का रिजल्ट घोषित किया है। इस बार 2526 अभ्यर्थी इंटरव्यू के लिए चयनित हुए हैं, जो पिछले साल से 210 कम है। मुख्य परीक्षा 21 से 30 अगस्त तक हुई थी, जिसके लिए 13,343 अभ्यर्थी चयनित हुए थे। चयनित अभ्यर्थी 11 से 25 नवंबर तक ऑनलाइन जानकारी अपडेट कर सकेंगे। इंटरव्यू धौलपुर हाउस, नई दिल्ली में होंगे।

करंट की चपेट में आए पिता-पुत्र की मौत, पत्नी गंभीर

नई दृष्टिबिंदु / बलौदाबाजार

शहर के जैन मंदिर के पास शुक्रवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया। घर की सफाई के दौरान करंट की चपेट में आने से कपड़ा कारोबारी पिता-पुत्र की मौत हो गई, जबकि पत्नी गंभीर रूप से घायल है।

मिली जानकारी के अनुसार आज सुबह घर में साफ-सफाई चल रही थी। दूसरी मंजिल की रेलिंग में लगे लोहे के पाइप में अचानक करंट आ गया, जिसकी चपेट में 47 वर्षीय राकेश गुप्ता आकर चिपक गए। उन्हें बचाने के प्रयास में परिवार के अन्य सदस्य भी करंट की चपेट में आ गए। हादसे में राकेश गुप्ता और उनके 22 वर्षीय पुत्र



ओम गुप्ता की मौत हो गई, जबकि पत्नी वर्षा गुप्ता गंभीर रूप से घायल हैं। उन्हें जिला अस्पताल बलौदाबाजार में भर्ती कराया गया है, जहां इलाज जारी है।

एक ही परिवार में हुए इस हादसे से शहर में शोक का माहौल है, व्यापारियों में भी हड़कंप मचा हुआ है।

रायपुर सहित 6 जिलों के लिए 286 करोड़ की नई पारेषण लाइन ऊर्जीकृत

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

रायपुर सहित छह जिलों की विद्युत आपूर्ति को बेहतर बनाने के लिए छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी ने 286 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित 400 केवी धरदेही-बिलासपुर पूल पारेषण लाइन को आज दोपहर 12:34 बजे सफलतापूर्वक ऊर्जीकृत किया।

लगभग 50.7 किमी लंबी इस डीसीडीएस क्वाड मूस लाइन के चालू होने से रायपुर, बिलासपुर, मुंगेली, बेमेतरा, कवर्धा और भाटापारा-बलौदाबाजार जिलों को लाभ मिलेगा। इससे अधिक एमवीए विद्युत शक्ति का पारेषण संभव होगा और भविष्य की मांग पूरी करने में मदद मिलेगी।

प्रबंध निदेशक राजेश कुमार शुक्ला की उपस्थिति में ऊर्जीकरण हुआ। इस दौरान कार्यपालक



निदेशक (लाइन) संजय पटेल, ईडी (सबस्टेशन) बिलासपुर श्रीमती कल्पना घाटे और सीएसपीडीसीएल बिलासपुर क्षेत्र के ईडी ए.के. अम्बस्थ सहित वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

लाइन निर्माण के दौरान चार स्थानों पर अन्य लाइनों की क्रॉसिंग हॉटलाइन पद्धति से और रेलवे क्रॉसिंग बिना पावर ब्लॉक के हॉटलाइन स्ट्रिंगिंग से पूरी की गई। राइट ऑफ वे की चुनौतियों के बावजूद टीमवर्क से परियोजना पूरी हुई।

बस्तर में गांजा तस्करी पर बड़ी कार्रवाई, 2.38 करोड़ का 476 किलो गांजा जब्त



नई दृष्टिबिंदु / जगदलपुर

बस्तर पुलिस ने नशे के खिलाफ अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए ओडिशा से उत्तर प्रदेश ले जाए जा रहे 476.500 किलो गांजा को जब्त किया है। इसकी कीमत करीब 2 करोड़ 38 लाख रुपये है। पिकअप वाहन में तस्करी कर रहे 3 नाबालिग सहित 7 आरोपियों को थाना बोधघाट पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

एसपी शलभ कुमार सिन्हा के निर्देशन में पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि सफेद रंग के पिकअप CG 17 KL 0411 में ओडिशा से कुरंदी होते हुए गांजा जगदलपुर लाया जा रहा है। पुलिस ने ग्राम अड़ावाल रेलवे फाटक के पास नाकाबंदी की। इस दौरान पायलेटिंग कर रही लाल मोटरसाइकिल OD 30 B 6256 और पीछे आ रहा पिकअप रोका गया।

आरोपियों ने पुलिस को चकमा देने के लिए गांजा को बंडल बनाकर 15 बोरियों में पैक किया था। पूछताछ में कोई वैध दस्तावेज नहीं मिलने पर NDPS Act की धारा 20(b)ii(C) के तहत कार्रवाई की गई।

गिरफ्तार आरोपी में भगवान पांगी (25), घांसी खिलो (21), चित्रसेन गल्लोरी (22), रोहणी गल्लोरी (27) और 3 विधि से संघर्षरत बालक, सभी निवासी ग्राम कोंटामाड़ी, थाना कोरकोंडा, जिला मलकानगिरी, ओडिशा शामिल हैं। पुलिस ने गांजा के अलावा पिकअप वाहन, मोटरसाइकिल, 6 मोबाइल और 1500 रुपये नकद जब्त किए हैं। सभी को विशेष उड्डर न्यायालय जगदलपुर में पेश किया गया है।

इंस्टाग्राम पर Tata Power Solar का फर्जी विज्ञापन दिखाकर 11.36 लाख की ठगी, बिहार के बोधगया से 2 साइबर ठग गिरफ्तार

राजनांदगांव। इंस्टाग्राम पर Tata Power Solar कंपनी का डिस्ट्रीब्यूटर बनाने के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह का राजनांदगांव साइबर पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। 11 लाख 36 हजार की ठगी करने वाले 2 आरोपियों को बिहार के बोधगया से गिरफ्तार किया गया है।

फर्जी लिंक से जुटाते थे डाटा : आरोपी इंस्टाग्राम पर फर्जी विज्ञापन लिंक बनाकर लोगों से नाम, पता, मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी भरवाते थे। फिर खुद को कंपनी का प्रतिनिधि बताकर संपर्क करते और रजिस्ट्रेशन फीस, सोलर मशीन की अग्रिम कीमत व अधिकारियों के आने-जाने के खर्च के नाम पर किश्तों में रकम वसूलते थे। विश्वास जीतने के लिए कंपनी के नाम से फर्जी



दस्तावेज ईमेल पर भेजते थे।

आरोपी बोधगया में किराए के मकान से नेटवर्क चला रहे थे। ठगी की रकम कोलकाता से कमीशन पर लिए गए म्यूल बैंक खातों में मंगवाते और एटीएम व फोन-पे से निकालते थे। गिरफ्तार आरोपी में प्रशांत कुमार उर्फ निक्की (27), निवासी नालंदा, अभिषेक कुमार यादव उर्फ रवि (34), निवासी औरंगाबाद, बिहार है। दोनों के पास से 7 मोबाइल, 1 लैपटॉप, 1 स्कैनर डिवाइस, 2 नोटबुक जिनमें ग्राहकों व बैंक खातों का विवरण था, और 2 एटीएम कार्ड जब्त किए गए हैं। अपराध क्रमांक 03/2026 धारा 318(4), 3(5) BNS के तहत मामला दर्ज है।

एसपी सुश्री अंकिता शर्मा के निर्देशन में साइबर थाना प्रभारी निरीक्षक विनय पम्मार की टीम ने कार्रवाई की। पुलिस ने अपील की है कि डिस्ट्रीब्यूटरशिप से पहले कंपनी की आधिकारिक वेबसाइट से पुष्टि करें, अनजान लिंक पर निजी जानकारी साझा न करें। ठगी होने पर 1930 पर कॉल करें या http://www.cybercrime.gov.in पर शिकायत करें।



वरिष्ठजन कल्याण महासंघ ने शुरू किया "घर-घर बांटें रोशनी" अभियान, जरूरतमंदों को बांटी दिवाली भेंट



नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

दीपावली पर वरिष्ठजन कल्याण महासंघ ने "घर-घर बांटें रोशनी और फैलाएं खुशियां" अभियान के तहत जरूरतमंदों की दिवाली रोशन करने की पहल शुरू की है। गुरुवार सुबह सेक्टर-9 स्थित हनुमान मंदिर, वैदिक आश्रम परिसर में पूजा-अर्चना के बाद सामग्री वितरण का शुभारंभ किया गया।

इस अवसर पर आचार्य डॉ. महेश चंद्र शर्मा, डॉ. डीपी देशमुख, डॉ. एचआर वाणेंय और महासंघ अध्यक्ष घनश्याम कुमार देवांगन सहित पदाधिकारियों ने मंदिर परिसर के जरूरतमंदों को पैकेट बांटे। दिवाली भेंट में दीये, तेल, बाती, खाद्य सामग्री, फल-फूल, खील-बताशे और बच्चों के लिए प्रदूषण रहित फुलझड़ी शामिल हैं। उपहार पाकर लोगों के चेहरे खिल उठे। पहले चरण में 100 पैकेट वितरित किए गए।

डॉ. महेश चंद्र शर्मा ने कहा कि जरूरतमंदों के घर रोशन कर खुशहाली बांटना पुण्य का कार्य है। अध्यक्ष घनश्याम देवांगन ने बताया कि यह अभियान लगातार दूसरे वर्ष चल रहा है और स्वैच्छिक सहयोग राशि से संचालित है। वोकल फॉर लोकल को बढ़ावा देने के लिए खरीदारी स्थानीय फुटकर विक्रेताओं से की जा रही है।

महासचिव गोपाल प्रसाद तिवारी, कोषाध्यक्ष दिनेश गुप्ता, संतोष शुक्ला, सुरेश जैन, कृष्णाराम मार्कण्डेय सहित सदस्यों की टीमों ने सेक्टर-9 हनुमान मंदिर, स्कंद आश्रम, सेक्टर-6 साईं मंदिर, भिलाई नगर रेलवे स्टेशन, मॉडल टाउन, वैशाली नगर, रिसाली आदि क्षेत्रों में पैकेट बांटे।

अध्यात्म पथ सेवा परिवार ने जलाया सेवा का दीप, पुलगांव वृद्धाश्रम में बुजुर्गों के साथ मनाई दीपावली

दुर्ग। दीपावली को सेवा के रूप में मनाते हुए अध्यात्म पथ सेवा परिवार ने 'सेवा का दीप जलाएं' अभियान शुरू किया है। अभियान के प्रथम चरण में आस्था वृद्धाश्रम में पंखों का वितरण किया गया था, दूसरे चरण में आज पुलगांव वृद्धाश्रम में बुजुर्गों के बीच जूस, मूंग बड़ा और मिठाई का वितरण किया गया।

सदस्यों ने बुजुर्गों के साथ समय बिताकर दीपावली की खुशियां साझा कीं। अध्यक्ष हेमा सक्सेना ने कहा कि वास्तविक दीपावली तभी है जब



खुशियों में उन लोगों की भी भागीदारी हो जिन्हें अपनत्व की जरूरत है। महासचिव नमित क्षत्रिय ने कहा कि सेवा अपनत्व और सम्मान देने का नाम है। कोषाध्यक्ष हर्षा ताम्रकार और वरिष्ठ सदस्य सुशीला सिन्हा ने कहा कि बुजुर्ग समाज की अमूल्य धरोहर हैं, उन्हें प्रेम और सम्मान की अधिक आवश्यकता है।

संयोजक आचार्य डॉ. अजय आर्य ने कहा कि सेवा को जीवन का आधार बनाना चाहिए। इस परिवार की विशेषता है कि सेवा के लिए चंदा नहीं मांगा जाता, बल्कि प्रेरणा से लोगों को जोड़ा जाता है। अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त आचार्य चंद्रशेखर शास्त्री भी संरक्षक की भूमिका में हैं।

खास खबर

सुखनंदन यादव होंगे भिलाई-चरौदा निगम के लेखाधिकारी, कमिश्नर एसके सुंदरानी ने जारी किया आदेश, वर्तमान कार्य के साथ संभालेंगे वित्त विभाग की जिम्मेदारी



नई दृष्टिबिंदु / भिलाई-चरौदा

नगर पालिक निगम भिलाई-चरौदा के वित्त विभाग में प्रभारी सहायक लेखाधिकारी की जिम्मेदारी अब सुखनंदन यादव संभालेंगे। निगम कमिश्नर एसके सुंदरानी ने बुधवार, 4 नवंबर को इस संबंध में आदेश जारी किया है।

जानकारी के अनुसार, अक्टूबर 2026 में प्रभारी लेखाधिकारी रामनिवास पाल के सेवानिवृत्त होने के बाद निगम के वित्त विभाग में सहायक लेखाधिकारी का पद रिक्त हो गया था। इसके चलते विभागीय कामकाज प्रभावित न हो, इसे ध्यान में रखते हुए निगम प्रशासन ने नई जिम्मेदारी सौंपने का निर्णय लिया। जारी आदेश के अनुसार, वर्तमान में जनगणना विभाग के कार्यों का संपादन कर रहे सहायक ग्रेड-2 सुखनंदन यादव को उनके वर्तमान दायित्वों के साथ प्रभारी सहायक लेखाधिकारी का प्रभार सौंपा गया है। अब वे जनगणना विभाग के कार्यों के साथ वित्त विभाग की जिम्मेदारी भी संभालेंगे।

खुर्सीपार चौक पर ओवरब्रिज निर्माण का विरोध, पुनर्विचार की मांग

व्यापारियों के प्रतिनिधिमंडल ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन, बाजार और कारोबार प्रभावित होने की जताई आशंका



भिलाई। खुर्सीपार चौक पर प्रस्तावित ओवरब्रिज निर्माण को लेकर स्थानीय व्यापारियों ने आपत्ति जताई है। व्यापारियों की मांग पर छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की भिलाई इकाई का प्रतिनिधिमंडल प्रदेश महामंत्री अजय भसीन के नेतृत्व में कलेक्टर से मिला और ओवरब्रिज निर्माण की आवश्यकता एवं उपयोगिता पर पुनर्विचार करने की मांग करते हुए ज्ञापन सौंपा। चेम्बर ने ज्ञापन में बताया कि खुर्सीपार चौक के आसपास बड़ा बाजार और व्यापारिक क्षेत्र है, जहां बड़ी संख्या में छोटे-बड़े व्यापारी कारोबार करते हैं। ओवरब्रिज बनने से बाजार तक ग्राहकों की पहुंच प्रभावित हो सकती है। इससे दुकानों में ग्राहकों की आवाजाही कम होने और स्थानीय व्यापार पर प्रतिकूल असर पड़ने की आशंका है।

प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि पहले बीएसपी के बड़े वाहन और ट्रेलर इसी मार्ग से गुजरते थे, लेकिन अब बड़े वाहनों के आवागमन के लिए अंडरब्रिज बन चुका है। ऐसे में चौक पर ओवरब्रिज निर्माण की जरूरत का दोबारा परीक्षण किया जाना चाहिए। चेम्बर ने यह भी कहा कि पावर हाउस में ओवरब्रिज निर्माण पूरा होने के बाद खुर्सीपार चौक पर भी ब्रिज बनाने से क्षेत्र की सुंदरता और व्यवस्थित स्वरूप प्रभावित हो सकता है। इसके बजाय सड़क सुधार, यातायात व्यवस्था, पार्किंग, बाजार के व्यवस्थित विकास और नागरिक सुविधाओं के विस्तार को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

प्रदेश महामंत्री अजय भसीन ने कहा कि विकास कार्यों का उद्देश्य आम नागरिकों और व्यापारियों को सुविधा देना होना चाहिए। यदि किसी योजना से बाजार और व्यापार प्रभावित होने की आशंका है, तो उस पर गंभीरता से विचार जरूरी है। उन्होंने प्रशासन से व्यापारियों, नागरिकों और जनप्रतिनिधियों से चर्चा कर जनहित में निर्णय लेने का आग्रह किया। प्रतिनिधिमंडल में शंकर सचदेव, विनय सिंह, विकास पांचाल और राम ओबेरॉय शामिल थे। प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से जानकारी शंकर सचदेव ने दी।

शहर की प्रकाश व्यवस्था को सुदृढ़ करने निगम आयुक्त ने ली अधिकारियों की बैठक

प्रमुख मार्गों और बाजारों को प्राथमिकता देने के निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई



नगर पालिक निगम भिलाई की आयुक्त सुरूचि सिंह ने निगम सभागार कक्ष में शहर की प्रकाश व्यवस्था को लेकर अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में उन्होंने शहर के सभी क्षेत्रों में प्रकाश व्यवस्था को बेहतर एवं सुचारू बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। आयुक्त ने कहा कि नागरिकों की सुविधा, सुरक्षा एवं आवागमन को ध्यान में रखते हुए शहर की प्रकाश व्यवस्था को सुदृढ़ करना निगम की प्राथमिकता है।

आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शहर के प्रमुख मार्गों, चौक-चौराहों, गली-मोहल्लों एवं बाजार क्षेत्रों में विशेष प्राथमिकता के साथ स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। जिन स्थानों पर लाइट बंद हैं अथवा प्रकाश की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है, उनका चिन्हांकन कर तत्काल सुधार कार्य कराया जाए। आवश्यकता वाले स्थानों पर नई लाइट लगाने के साथ ही खराब एवं बंद पड़ी लाइटों को शीघ्र बदलने की कार्रवाई की जाए, ताकि शहर के नागरिकों को रात्रि के समय आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी न हो। बैठक में आयुक्त ने सीएम हेल्पलाइन पोर्टल, जनदर्शन एवं अन्य ऑनलाइन माध्यमों से प्राप्त प्रकाश व्यवस्था संबंधी शिकायतों की भी समीक्षा करते हुए अधिकारियों को उनका त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नागरिकों से प्राप्त शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए समय-सीमा में समाधान सुनिश्चित किया जाए। शिकायतों के निराकरण में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

आयुक्त ने अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए शहर की प्रकाश व्यवस्था की नियमित मॉनिटरिंग करने तथा आवश्यकतानुसार मैदानी निरीक्षण कर व्यवस्था में सुधार लाने के निर्देश दिए। निगम का प्रयास है कि शहर के प्रत्येक वार्ड में पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था उपलब्ध हो, जिससे नागरिकों को सुरक्षित एवं सुविधाजनक वातावरण मिल सके।

बाजारों में सुगम आवागमन और व्यवस्थित व्यापार के लिए महापौर व आयुक्त ने किया निरीक्षण

दुर्ग। दीपावली एवं छठ पर्व को देखते हुए शहर के प्रमुख बाजारों में खरीदारी के लिए नागरिकों की भीड़ बढ़ने लगी है। त्योहार के दौरान व्यापारियों एवं ग्राहकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो तथा बाजार क्षेत्र में यातायात व्यवस्था सुचारू बनी रहे, इसके लिए महापौर अलका बाघमार एवं आयुक्त लीना कोसम ने शहर के हृदय स्थल इंदिरा मार्केट, पुराना बस स्टैंड, एवं पुराना थाना के पीछे स्थित निंबू लाइन सहित प्रमुख बाजार क्षेत्रों का निरीक्षण किया।

महापौर एवं आयुक्त ने लगभग दो घंटे तक पैदल भ्रमण कर बाजार की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान दुकानों के बाहर हो रहे अतिक्रमण, पसरा, ठेला-खोमचा एवं यातायात व्यवस्था का निरीक्षण किया गया। दुकानदारों को अपनी दुकानों की निर्धारित सीमा में रहकर ही व्यापार करने की समझाइश दी गई। साथ ही दुकानों के सामने 88 फीट की चूने से मार्किंग कराई गई, ताकि प्रत्येक दुकानदार एवं ठेला-खोमचा संचालक निर्धारित सीमा में ही अपना व्यवसाय संचालित कर सकें।

निरीक्षण के दौरान महापौर एवं आयुक्त ने पुराना बस स्टैंड स्थित पार्किंग स्थल का भी जायजा लिया। दीपावली के दौरान बाजार में बढ़ने वाली भीड़ को देखते हुए पार्किंग व्यवस्था व्यवस्थित रखने तथा नागरिकों के वाहनों की सुगम आवाजाही सुनिश्चित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। कुछ स्थानों पर अव्यवस्थाएं पाए जाने पर महापौर ने मौके पर ही निगम अधिकारियों को आवश्यक सुधार करने के निर्देश दिए।

महापौर अलका बाघमार ने दुकानदारों से अपील करते हुए कहा कि दीपावली सभी के लिए खुशियों और उत्साह का पर्व है। ऐसे में बाजार को व्यवस्थित रखना व्यापारियों और नागरिकों की सामूहिक जिम्मेदारी है। व्यापारी अपनी दुकान का सामान सड़क पर न फैलाएं और निर्धारित मार्किंग के भीतर ही व्यवसाय करें, जिससे ग्राहकों को खरीदारी करने में परेशानी न हो और आवागमन बाधित न हो।

आयुक्त लीना कोसम ने बाजार विभाग एवं अतिक्रमण अमले को निर्देशित किया कि निर्धारित मार्किंग के बाहर दुकान लगाने, सामान फैलाने अथवा सड़क पर वाहन खड़े करने वालों पर नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाए। मार्किंग का उल्लंघन करने पर सामान की जब्ती एवं जुर्माना लगाया जाएगा। इंदिरा गांधी प्रतिमा के आसपास भी विशेष रूप से मार्किंग कराई गई है, ताकि बाजार क्षेत्र में पसरा एवं ठेला-खोमचा निर्धारित सीमा से बाहर न लगें। निगम प्रशासन का उद्देश्य त्योहार के दौरान बाजार में स्वच्छता, यातायात एवं पार्किंग व्यवस्था को बेहतर बनाए रखना है, ताकि व्यापारी सुचारू रूप से अपना व्यवसाय कर सकें और नागरिक सुविधाजनक तरीके से दीपावली की खरीदारी कर सकें।

निरीक्षण के दौरान लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर, एमआईसी सदस्य शेखर चन्द्राकर, निलेश अग्रवाल, खलीक रिजवी, स्वास्थ्य अधिकारी दुर्गेश गुप्ता, अतिक्रमण अधिकारी परमेश्वर कुमार सहित निगम के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

त्योहारों में रेलवे की बदहाल व्यवस्था पर कांग्रेस नेता अरुण वोरा ने उठाए सवाल

कहा- जनता को भगवान भरोसे छोड़ रही सरकार

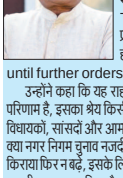
नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग



त्योहारों के अवसर पर रेलवे की अव्यवस्थाओं, ट्रेनों के अनियमित परिचालन, लंबी प्रतीक्षा सूची और पर्याप्त यात्री सुविधाओं के अभाव को लेकर दुर्ग शहर के पूर्व विधायक एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता अरुण वोरा ने रेलवे की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि त्योहारों का समय परिवारों के साथ खुशियां बांटने, अपनों से मिलने और घर लौटने का होता है, लेकिन रेलवे की अव्यवस्थाओं के चलते आम नागरिकों के लिए यह सफर राहत के बजाय परेशानी और अनिश्चितता का कारण बनता जा रहा है।

वोरा ने कहा कि त्योहारों के दौरान देशभर में यात्रियों की संख्या स्वाभाविक रूप से बढ़ती है। इसकी जानकारी रेलवे को पहले से होती है, इसके बावजूद यात्रियों की संभावित भीड़ के अनुरूप ट्रेनों, अतिरिक्त कोचों और विशेष रेल सेवाओं की पर्याप्त व्यवस्था नहीं दिखाई देती। नतीजतन आरक्षण के लिए लंबी प्रतीक्षा सूची, तत्काल टिकटों की सीमित उपलब्धता और सामान्य श्रेणी के डिब्बों में अत्यधिक भीड़ यात्रियों के लिए बड़ी समस्या बन जाती है। परिवार के साथ यात्रा करने वाले बुजुर्गों, महिलाओं, बच्चों और बीमार यात्रियों को विशेष रूप से कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि ट्रेनों का घंटों विलंब से चलना, अंतिम समय पर उनका रद्द होना और बार-बार मार्ग परिवर्तन जैसी समस्याएं यात्रियों की पूरी यात्रा योजना को प्रभावित करती हैं। वोरा ने कहा कि रेलवे की प्राथमिकता आम नागरिक की सुविधा होनी चाहिए, न कि उसकी परेशानी को व्यवस्था का सामान्य हिस्सा मान लेना।

भिलाई के रिटेंशन क्वार्टर: अंतरिम राहत क्यों, स्थायी आदेश क्यों नहीं? - शर्मा



भिलाई। रिटेंशन क्वार्टरों के किराए में राहत के बाद लॉगर एवं लेखक आर एस शर्मा ने सवाल उठाया है कि बीएसपी ने अंतरिम राहत क्यों दी, स्थायी नीति क्यों नहीं बनाई। श्री शर्मा ने बताया कि 2 नवंबर 2026 को जारी आदेश क्रमांक TSD/2026/564 के तहत किराया 24 से घटाकर 6 प्रति वर्गफुट किया गया है, जो 1 दिसंबर 2025 से लागू होगा। लेकिन आदेश में "As an interim relief until further orders" लिखा है, यानी यह स्थायी आदेश नहीं है।

उन्होंने कहा कि यह राहत वर्षों के जनआंदोलन, धरना, प्रदर्शन और पदयात्रा का परिणाम है, इसका श्रेय किसी एक दल को नहीं दिया जा सकता। कांग्रेस, भाजपा, पूर्व विधायकों, सांसदों और आम जनता ने मितकर दबाव बनाया। शर्मा ने सवाल किया कि क्या नगर निगम चुनाव नजदीक होने के कारण यह फैसला लिया गया? चुनाव के बाद किराया फिर न बढ़े, इसके लिए स्थायी आदेश जरूरी है। जनता को अंतरिम राहत नहीं, स्थायी समाधान चाहिए और अधिक जमा राशि का समायोजन भी स्पष्ट होना चाहिए।

टी एंड डी विभाग के चार कर्मचारी कर्म शिरोमणि पुरस्कार से हुए सम्मानित



नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के टी एंड डी विभाग में आयोजित कर्म शिरोमणि पुरस्कार वितरण समारोह में सुरक्षा मानदंडों का पालन करते हुए उत्कृष्ट कार्य करने वाले चार कर्मचारियों को सम्मानित किया गया।

ब्लास्ट फर्नेस स्टेशन के घनश्याम प्रसाद, भुवाल राम गणवारे, शिव बिलास और ओपन हर्थ स्टेशन के सुरेश कुमार साहू को पुरस्कार प्रदान किया गया। उन्हें उपहार, प्रमाण पत्र के साथ जीवनसाथियों के लिए प्रशंसा पत्र भी दिया गया। मुख्य अतिथि महाप्रबंधक प्रभारी (टी एंड डी) गोपीनाथ मलिक ने कहा कि सुरक्षा नियमों का पालन करते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन सराहनीय है। उन्होंने सभी विजेताओं को बधाई दी और सहकर्मियों को प्रेरित करने का आग्रह किया।

इस दौरान महाप्रबंधक मनोज प्रसाद, जितेन्द्र कुमार, जॉन मिंज, उप महाप्रबंधक बी.डी. टुडू, उप प्रबंधक ओम प्रकाश चौधरी सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। संचालन सहायक प्रबंधक (एचआर) डॉ. उपेंद्र कुमार शर्मा ने किया।

बीएसपी सीएसआर की पहल: चार गांवों में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर, 165 ग्रामीणों को मिला लाभ



भिलाई इस्पात संयंत्र के सीएसआर विभाग द्वारा दुर्ग जिले के चार गांवों में निःशुल्क चिकित्सा जांच शिविर आयोजित किए गए। शिविर ग्राम कुमीगुंडरा (पाटन), ग्राम अछोटी (निकुम), ग्राम अरसनारा (पाटन) एवं ग्राम जंजगीरी (धमधा) में लगाए गए, जहां ग्रामीणों को स्वास्थ्य जांच, परामर्श और दवाइयां निःशुल्क दी गईं। कुमीगुंडरा में डॉ. सर्वेश प्रधान के नेतृत्व में 52 लोगों (25 पुरुष, 27 महिला) की जांच हुई, अछोटी में डॉ. ज्योति सिन्हा के नेतृत्व में 28 लोगों (10 पुरुष, 18 महिला) ने लाभ लिया। अरसनारा में डॉ. सविता बंछोर के नेतृत्व में 40 लोगों (13 पुरुष, 27 महिला) की जांच हुई और जंजगीरी में डॉ. राजेंद्र साहू के नेतृत्व में 45 लोगों (04 पुरुष, 41 महिला) की जांच हुई। चारों शिविरों में कुल 165 ग्रामीणों (52 पुरुष, 113 महिला) ने स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ उठाया। ग्रामीण क्षेत्रों में इस पहल से लोगों को गांव में ही प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं मिल रही हैं, जो दूरस्थ अस्पताल न जा पाने वाले ग्रामीणों के लिए बेहद उपयोगी साबित हो रही है।

बाजारों में खरीदारी के लिए लोगों की भीड़, निगम प्रशासन अलर्ट बाजार क्षेत्रों में अतिक्रमण करने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

नगर पालिक निगम, दीपावली पर्व के मद्देनजर शहर के प्रमुख बाजारों में खरीदारी के लिए लोगों की भीड़ बढ़ने लगी है। बाजार क्षेत्र में सुगम आवागमन एवं यातायात व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से महापौर अलका बाघमार एवं निगम आयुक्त लीना कोसम के निर्देश पर अतिक्रमण अधिकारी परमेश्वर, बाजार अधिकारी अभिदय मिश्रा के अलावा सिटी कोतवाली थाना की टीम द्वारा इंदिरा मार्केट सहित स्टेशन रोड, फरिश्ता कम्प्लेक्स, इंदिरा गांधी प्रतिमा आसपास में अतिक्रमण के विरुद्ध निरीक्षण कर समझाइस दी गई।

इसी क्रम में निगम की टीम ने



इंदिरा मार्केट, मोती कम्प्लेक्स, पुराना बस स्टैंड, फूल चौक, मान होटल, प्रेस कम्प्लेक्स एवं आसपास के व्यस्त बाजार क्षेत्रों का निरीक्षण कर सड़क एवं फुटपाथ पर सामान फैलाकर व्यवसाय करने वाले दुकानदारों को समझाइश दी। दुकानदारों को स्पष्ट रूप से निर्देशित किया गया कि वे निर्धारित सीमा के भीतर ही अपना व्यवसाय करें तथा सड़क एवं आवागमन के रास्तों पर किसी प्रकार का अतिक्रमण न करें। बाजार क्षेत्र में अतिक्रमण की स्थिति को चिन्हित करने के लिए मार्किंग की गई है, ताकि त्योहार के दौरान यातायात व्यवस्था बाधित न हो। निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि समझाइश के बावजूद नियमों का पालन नहीं करने वाले दुकानदारों के सड़क पर रखे सामानों की जब्ती की कार्रवाई की जाएगी।

निगम एवं पुलिस प्रशासन द्वारा बाजार क्षेत्र में अधिक देर तक वाहन खड़े करने वालों पर भी नजर रखी जाएगी। निगम प्रशासन ने व्यापारियों एवं नागरिकों से अपील की है कि वे बाजार की व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें, दुकानों के सामने सड़क पर सामान न रखें तथा निर्धारित पार्किंग स्थल पर ही वाहन खड़े करें, ताकि दीपावली के दौरान आम नागरिकों को आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी न हो।

सहकारिता मंत्री केदार कश्यप से मिले प्रीतपाल बेलचंदन, जन्मदिन की दी बधाई



नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

छत्तीसगढ़ शासन के कैबिनेट मंत्री (वन एवं जलवायु परिवर्तन, जल संसाधन, कौशल विकास एवं सहकारिता) केदार कश्यप का जन्मदिन प्रदेशभर में हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। इस अवसर पर जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित दुर्ग के अध्यक्ष प्रीतपाल बेलचंदन ने मंत्री केदार कश्यप से उनके निवास पर सौजन्य भेंट की और उन्हें जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

इस दौरान प्रीतपाल बेलचंदन ने मंत्री केदार कश्यप के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं सुखमय जीवन की मंगलकामना करते हुए उनके सफल एवं यशस्वी कार्यकाल की कामना की। उन्होंने कहा कि केदार कश्यप के नेतृत्व में प्रदेश में सहकारिता सहित विभिन्न क्षेत्रों में विकास और जनकल्याण के कार्यों को नई गति मिलेगी।

गन्ना किसानों को अब 425 रुपये प्रति क्विंटल मिलेगा खरीदी मूल्य, बोनस से भी बढ़ेगी आय

कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने केरता शक्कर कारखाने में किसानों को वितरित की बोनस राशि, जैविक खेती और फसल विविधीकरण अपनाने पर दिया जोर

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर- सुरजपुर

छत्तीसगढ़ में गन्ना उत्पादक किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में राज्य सरकार ने गन्ने का खरीदी मूल्य बढ़ाकर 425 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया है। इसके साथ ही किसानों को बोनस का लाभ भी दिया जा रहा है। सूरजपुर जिले के माँ महामाया शक्कर कारखाना केरता में गुरुवार को आयोजित आभार एवं कृषक चौपाल कार्यक्रम में कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने किसानों को बोनस राशि वितरित की। गन्ना खरीदी मूल्य में वृद्धि के निर्णय पर किसानों ने राज्य सरकार के प्रति आभार जताया।



कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कृषि मंत्री नेताम ने कहा कि किसान देश की अर्थव्यवस्था और खाद्य सुरक्षा के मजबूत आधार हैं। उनके परिश्रम से ही देश की खाद्यान्न जरूरतें पूरी होती हैं। किसानों की खुशहाली और आर्थिक समृद्धि राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि किसानों की समृद्धि ही प्रदेश की प्रगति का आधार है।

मंत्री ने कहा कि सरगुजा अंचल के गन्ना उत्पादक किसानों की जरूरतों और मांग को देखते हुए माँ महामाया शक्कर कारखाने की स्थापना की पहल की गई थी। इसका उद्देश्य किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने के साथ क्षेत्र में कृषि आधारित औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा देना था। अब कारखाने को और विकसित करने तथा वैल्यू एडिशन के माध्यम से इसकी आर्थिक संभावनाएं बढ़ाने की जरूरत है।

कृषि मंत्री ने किसानों से धान के साथ दलहन और तिलहन जैसी वैकल्पिक फसलों को भी अपनाने की अपील की। उन्होंने बताया कि धान के स्थान पर इन वैकल्पिक फसलों की खेती को प्रोत्साहित करने के लिए निर्धारित प्रावधानों के तहत किसानों को 15 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। उन्होंने कहा कि फसल विविधीकरण से खेती को अधिक लाभकारी बनाया जा सकता है।

नेताम ने आधुनिक और टिकाऊ कृषि पद्धतियों पर जोर देते हुए कहा कि वैज्ञानिक तकनीक और कृषि विशेषज्ञों के मार्गदर्शन से कम पानी तथा संतुलित उर्वरक के उपयोग में भी बेहतर उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने रासायनिक कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग से स्वास्थ्य और पर्यावरण पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों का उल्लेख करते हुए किसानों को जैविक एवं प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए प्रेरित किया।

प्रतापपुर विधायक शकुंतला पोर्ते ने गन्ना खरीदी मूल्य में वृद्धि के लिए राज्य सरकार का आभार जताया। उन्होंने कहा कि माँ महामाया शक्कर कारखाने की स्थापना से लेकर इसके विकास तक किसानों के हितों को प्राथमिकता दी गई है। मुख्यमंत्री और कृषि मंत्री के प्रयासों से गन्ना उत्पादक किसानों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने की दिशा में लगातार काम किया जा रहा है।

कलेक्टर रेना जमील ने कहा कि रिवॉल्विंग फंड की घोषणा से गन्ना उत्पादक किसानों में नया उत्साह है। आगामी कार्ययोजना के तहत कारखाने की रिकवरी दर बढ़ाने और गन्ने की खेती का रकबा विस्तार करने के लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे। इससे कारखाने की उत्पादन क्षमता बढ़ने के साथ किसानों को भी अधिक आर्थिक लाभ मिल सकेगा।

कृषक चौपाल में किसानों ने अपनी समस्याएं, अनुभव और सुझाव साझा किए। कृषि मंत्री ने उनकी बातें सुनते हुए कृषि क्षेत्र के विकास और किसानों की सुविधाओं के विस्तार के लिए शासन की प्रतिबद्धता दोहराई। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष चंद्रमणि पैकरा, अपर कलेक्टर नयनतारा सिंह तोमर, एसडीएम रमेश मोर, कृषि अधिकारी सम्पदा पैकरा सहित जनप्रतिनिधि, विभागीय अधिकारी और बड़ी संख्या में गन्ना उत्पादक किसान मौजूद रहे।

खास खबर

पॉवर कंपनी से सीई राजेश कुमार तिवारी व अखिलेश चंद श्रीवास्तव सहित चार कर्मियों को दी गई भावभीनी विदाई



नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज से मुख्य अभियंता राजेश कुमार तिवारी एवं मुख्य अभियंता अखिलेश चंद्र श्रीवास्तव सहित चार अधिकारी-कर्मचारियों को भावभीनी विदाई दी गई।

मुख्यालय सेवा भवन में आयोजित समारोह में दोनों को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। सेवानिवृत्त अधिकारियों ने सेवाकाल के अनुभव साझा करते हुए प्रबंधन, अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के ईडी (एचआर) आर.पी. नामदेव, जनरेशन कंपनी के सीई (एचआर) शशिधर द्विवेदी एवं ट्रांसमिशन कंपनी की सीई (एचआर) श्रीमती रश्मि वर्मा ने नई पारी के लिए शुभकामनाएं दीं।

इसी तरह ट्रांसमिशन कंपनी में आयोजित कार्यक्रम में प्रबंध निदेशक राजेश कुमार शुक्ला ने मुख्य अभियंता राजेश कुमार तिवारी, निज सचिव नीरज कुमार मिश्रा एवं सहायक प्रबंधक सुधीर गनपत राव राजिमवाले को सम्मानित कर विदाई दी। एमडी श्री शुक्ला ने कहा कि सेवानिवृत्तजनों के समर्पण और उत्कृष्ट कार्यशैली से पॉवर कंपनी के विकास कार्यों को नई दिशा मिली है। संचालन डीजीएम गोविंद पटेल, सहायक प्रबंधक श्रीमती अनामिका मंडावी ने किया और आभार प्रदर्शन अधीक्षण अभियंता पंकज चौधरी ने किया।

तालाबों-नदी घाटों को छठ घाट नाम देने के विरोध में छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना ने सौंपा ज्ञापन



नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ के तालाबों एवं नदी घाटों का नाम बदलकर छठ घाट किए जाने के विरोध में छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना ने कलेक्टर, पुलिस कमिश्नर, नगर निगम आयुक्त और विभिन्न थानों में ज्ञापन सौंपकर रोक लगाने की मांग की है।

संगठन के अध्यक्ष टिकेश्वर निषाद ने कहा कि प्रदेश के तालाबों और नदी घाटों की अपनी ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और पारंपरिक पहचान है, जो लोकसंस्कृति और पूर्वजों की विरासत से जुड़ी है। मूल नामों को बदलने की प्रवृत्ति पर तत्काल रोक लगनी चाहिए।

पदाधिकारी उषा श्रीवास ने कहा कि छठ बिहार का पर्व है, धार्मिक आस्था के नाम पर छत्तीसगढ़ के पारंपरिक जलस्रोतों की मौलिक पहचान बदलना उचित नहीं है। प्रवासी पर्व मना सकते हैं, लेकिन मूल नाम बदलना सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के दृष्टिकोण से ठीक नहीं है।

संगठन ने मांग की है कि मूल नामों को बदलने पर रोक के लिए दिशा-निर्देश जारी किए जाएं, अन्यथा सांस्कृतिक अस्मिता की रक्षा के लिए लोकतांत्रिक आंदोलन किया जाएगा।

डीएमएफ की कार्ययोजना में पर्यावरण संरक्षण, शिक्षा, स्वास्थ्य और अधोसंरचना को दें प्राथमिकता - राज्यपाल रमेन डेका

खनन प्रभावित क्षेत्रों के विकास के लिए दो वर्ष का रोडमैप तैयार करने के दिए निर्देश, बस्तर में विकास कार्यों पर विशेष जोर

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

राज्यपाल रमेन डेका ने कहा है कि जिला खनिज न्यास (डीएमएफ) की राशि का उपयोग खनन प्रभावित क्षेत्रों के समग्र विकास और वहां के निवासियों के जीवन स्तर में सुधार के लिए किया जाना चाहिए। इसके तहत पर्यावरण प्रदूषण को नियंत्रित करना पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। साथ ही शिक्षा, स्वास्थ्य और अधोसंरचना के विकास पर भी विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने कहा कि सतत विकास के लिए पर्यावरण संरक्षण आवश्यक है। इसके लिए सुनियोजित कार्ययोजना तैयार करने के साथ पर्यावरणविदों का भी सहयोग लिया जाए।

राज्यपाल श्री डेका लोक भवन में जिला खनिज न्यास (डीएमएफ) की गतिविधियों, खनन प्रभावित क्षेत्रों में विकास कार्यों तथा आगामी पांच वर्षों की कार्ययोजना के संबंध में आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने डीएमएफ की राशि के प्रभावी और सुनियोजित उपयोग के लिए कम से कम दो वर्ष का रोडमैप तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि खनन प्रभावित क्षेत्रों में प्रदूषण नियंत्रण के लिए डीएमएफ से आवश्यक कार्य किए जाएं। साथ ही उद्योगों से चर्चा कर पर्यावरणीय मानकों और निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित किया जाए। पर्यावरण संरक्षण के कार्यों को अभियान के रूप में संचालित करने पर उन्होंने जोर दिया।



वैज्ञानिक तरीके से हो रेत का उत्खनन

राज्यपाल ने नदियों से रेत उत्खनन के संबंध में वैज्ञानिक और पर्यावरण अनुकूल तरीकों को अपनाने की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि रेत रहेगी तो पानी रहेगा और पानी रहेगा तो रेत रहेगी। रेत खदानों में वैज्ञानिक तरीके से उत्खनन को लेकर विशेष अभियान चलाने की बात भी कही।

जनता की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करें डीएमएफ की कार्ययोजना

राज्यपाल ने कलेक्टरों को निर्देशित किया कि वे आम जनता से संवाद करें और उनकी आवश्यकताओं एवं प्राथमिकताओं को समझें। इसके अनुरूप डीएमएफ की कार्ययोजना तैयार की जाए। विकास कार्यों के क्रियान्वयन में जनप्रतिनिधियों को भी विश्वास में लेना आवश्यक है। प्रशासन को जनता के साथ संवाद बनाए रखना चाहिए और उन्हें स्पष्ट रूप से बताना चाहिए कि कौन से कार्य किए जा सकते हैं तथा किन कार्यों को करना संभव नहीं है। उन्होंने डीएमएफ की नियमित बैठकें आयोजित करने को कहा, ताकि कार्यों की प्रगति की समीक्षा और आवश्यक निर्णय समय पर लिए जा सकें।

खनन प्रभावित क्षेत्रों में जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाएं

राज्यपाल ने कहा कि डीएमएफ के माध्यम से खनन प्रभावित क्षेत्रों में सामाजिक कल्याण और विकास से संबंधित कार्यों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाना भी सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने खनन प्रभावित क्षेत्रों में प्रधानमंत्री आवास योजना के आवासों को प्राथमिकता से पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन विशेष उद्देश्यों के लिए डीएमएफ के अंतर्गत कार्य निर्धारित किए जाते हैं, उन कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूरा किया जाना चाहिए।

राज्यपाल ने बस्तर क्षेत्र में डीएमएफ के माध्यम से विकास कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जो लोग मुख्यधारा में लौट आए हैं, उन्हें शासन की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया जाए। उनके पुनर्वास, सामाजिक सुरक्षा और जीवन स्तर में सुधार के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं, ताकि वे विकास की प्रक्रिया से जुड़ सकें।

विशेष पिछड़ी जनजातियों के स्वास्थ्य और जीवनशैली पर दें ध्यान

राज्यपाल ने खनन प्रभावित क्षेत्रों में निवासरत विशेष पिछड़ी जनजातियों के कल्याण पर विशेष ध्यान देने को कहा। उन्होंने इन जनजातीय समुदायों के लिए विशेष चिकित्सा शिविर आयोजित करने तथा स्वास्थ्य एवं जीवनशैली में सुधार के लिए जागरूकता कार्यक्रम संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन समुदायों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए योजनाएं बनाई जाएं और उन्हें बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए विशेष प्रयास किए जाएं।

राज्यपाल ने कहा कि मनरेगा की तर्ज पर डीएमएफ के कार्यों में भी परिसंपत्तियों का निर्माण किया जाना चाहिए। इसके साथ ही निर्मित परिसंपत्तियों के भौतिक सत्यापन पर भी ध्यान दिया जाए, ताकि यह पता चल सके कि स्वीकृत कार्यों का वास्तविक क्रियान्वयन हुआ है और उनसे क्षेत्र के लोगों को लाभ मिल रहा है।

विस्थापित परिवारों को योजनाओं का लाभ दिलाने के निर्देश

राज्यपाल ने खनन प्रभावित क्षेत्रों में विस्थापित हुए लोगों के लिए संचालित योजनाओं की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों से विस्थापित परिवारों को शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराने के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि प्रभावित और विस्थापित परिवारों की आवश्यकताओं का ध्यान रखते हुए उनके लिए संचालित योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए।

बैठक में खनिज विभाग के सचिव पी दयानंद ने राज्यपाल को डीएमएफ की गतिविधियों और कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि डीएमएफ पोर्टल 2.0 के माध्यम से प्रत्येक परियोजना और कार्य की जानकारी उपलब्ध है। पोर्टल के जरिए कार्यों की स्थिति और प्रगति की निगरानी भी की जा रही है।

बैठक में राज्यपाल के सचिव डॉ. सी. आर. प्रसन्ना, खनिज विभाग के अधिकारी तथा खनन प्रभावित विभिन्न जिलों के कलेक्टर उपस्थित थे।

धनतेरस आज : लक्ष्मी-नारायण राजयोग और हस्त नक्षत्र में करें खरीदारी और पूजा

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

इस वर्ष धनतेरस का पर्व आज 06 नवंबर को मनाया जा रहा है। ज्योतिष के अनुसार इस बार धनतेरस कई शुभ संयोग लेकर आया है।

इस साल धनतेरस पर बुध और शुक्र की युति से लक्ष्मी नारायण राजयोग बन रहा है। बुध बुद्धि, वाणी और व्यापार का कारक है, वहीं शुक्र धन, वैभव और सुख-सुविधा का कारक माना जाता है। दोनों के एक राशि में होने से धन, बुद्धि और संपन्नता में वृद्धि का योग बनता है।

खास बात यह है कि इस बार धनतेरस शुक्रवार को पड़ रहा है, जो स्वयं देवी लक्ष्मी का दिन माना जाता है। साथ ही आज हस्त नक्षत्र रहेगा, जिसमें सोना-चांदी, वाहन और संपत्ति की खरीदारी बेहद शुभ और चिरस्थायी समृद्धि देने वाली मानी जाती है।



खरीदारी के लिए दो स्थिर लग्न

धनतेरस पर खरीदारी के लिए विशेष मुहूर्त की आवश्यकता नहीं होती, लेकिन स्थिर लग्न में खरीदारी अधिक फलदायी मानी जाती है। आज कुंभ स्थिर लग्न दोपहर 1:07 से 2:39 बजे तक और वृष स्थिर लग्न शाम 5:45 से 7:42 बजे तक रहेगा।

धनतेरस 2026 शुभ मुहूर्त

त्रयोदशी तिथि प्रारंभः 6 नवंबर सुबह 10:31 बजे से

त्रयोदशी तिथि समाप्तः 7 नवंबर सुबह 10:48 बजे तक

खरीदारी का शुभ समयः सुबह 10:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक

सांध्यकालीन पूजा मुहूर्तः शाम 6:18 बजे से रात 8:10 बजे तक

खाद्य सुरक्षा नियमों की अनदेखी पर प्रशासन की सख्त कार्रवाई

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर-बीजापुर

जिले में आम नागरिकों को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने तथा खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा मिठाई दुकानों एवं उनके निर्माण स्थलों का औचक निरीक्षण किया गया। खाद्य एवं औषधि प्रशासन, छत्तीसगढ़ तथा कलेक्टर विश्वदीप के निर्देशानुसार गठित संयुक्त जांच दल ने विभिन्न प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर खाद्य सुरक्षा नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर कार्रवाई की।



निरीक्षण के दौरान मेसर्स कन्हैया स्वीट्स के मिठाई निर्माण स्थल पर साफ-सफाई का अभाव एवं अव्यवस्था पाई गई। निर्माण स्थल पर अनावश्यक सामग्री बेतरतीब ढंग से रखी हुई थी। खाद्य सुरक्षा मानकों के प्रति लापरवाही पाए जाने पर जांच दल ने तत्काल मिठाई निर्माण कार्य बंद कराया। साथ ही प्रतिष्ठान संचालक को दो दिवस के भीतर आवश्यक सुधार कर विभाग को सूचित करने के निर्देश दिए गए। निर्धारित समयावधि में सुधार नहीं किए जाने की स्थिति में प्रतिष्ठान का खाद्य पंजीयन निरस्त करने की कार्रवाई की जाएगी।

इसी क्रम में मेसर्स गणपति स्वीट्स की मिठाई निर्माण इकाई का निरीक्षण किया गया। जांच में पाया गया कि संबंधित इकाई घर में बिना वैध खाद्य लाइसेंस के संचालित की जा रही थी। इस पर जांच दल द्वारा बिना खाद्य लाइसेंस के खाद्य कारोबार संचालित करने के संबंध में प्रकरण तैयार किया गया।

निरीक्षण के दौरान खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता जांच के लिए विभिन्न प्रतिष्ठानों से मिठाइयों के नमूने भी एकत्र किए गए। इनमें गणपति स्वीट्स से मलाई पेड़ा, मथुरा पेड़ा एवं बूंदी लड्डू, कन्हैया स्वीट्स से कलाकंद एवं बर्फी तथा किशोरी होटल से बूंदी लड्डू एवं बेसन लड्डू के नमूने लिए गए। सभी सात नमूनों को परीक्षण हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला, रायपुर भेजा गया है। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के पश्चात नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जिला प्रशासन द्वारा खाद्य कारोबारियों को खाद्य सुरक्षा मानकों का अनिवार्य रूप से पालन करने, निर्माण स्थलों पर स्वच्छता बनाए रखने तथा वैध खाद्य लाइसेंस एवं पंजीयन के साथ ही कारोबार संचालित करने के निर्देश दिए गए हैं। कार्रवाई के दौरान खाद्य एवं औषधि प्रशासन के अधिहित अधिकारी डी.के. देवांगन, वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी अंकित गुप्ता, मुख्य नगर पालिका अधिकारी सौरभ तिवारी एवं खाद्य निरीक्षक दिनेश मरकाम उपस्थित थे।

उपलब्धि सोलर दीदियों की पहल से 150 से अधिक घरों में स्थापित हुए सोलर रूफटॉप सिस्टम

सौर ऊर्जा से जगमगाया नारागांव, बना प्रदेश का पहला सोलर दीदी के माध्यम से ऊर्जीकृत ग्राम

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर-बालोद

छत्तीसगढ़ के बालोद जिले का नारागांव स्वच्छ ऊर्जा, महिला सशक्तीकरण और सामुदायिक सहभागिता की दिशा में एक नई पहचान बना रहा है। जिले की सोलर दीदियों के अथक प्रयासों और सामूहिक पहल से नारागांव प्रदेश का पहला ऊर्जीकृत गांव बनकर उभरा है। गांव के 150 से अधिक घरों में 2 किलोवॉट के सोलर रूफटॉप सिस्टम स्थापित किए जा चुके हैं, जिससे 300 किलोवॉट विद्युत का उत्पादन हो रहा है। यह उपलब्धि न केवल स्वच्छ ऊर्जा के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि ग्रामीण महिलाओं की नेतृत्व क्षमता और आत्मनिर्भरता का भी सशक्त उदाहरण है।



नारागांव में सौर ऊर्जा के विस्तार में सोलर दीदियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इन महिलाओं ने ग्रामीण परिवारों से संपर्क कर उन्हें सौर ऊर्जा के लाभों की जानकारी दी और घरों की छतों पर सोलर रूफटॉप सिस्टम स्थापित कराने के लिए प्रेरित किया। महिलाओं की सक्रिय भागीदारी, सामूहिक प्रयास और बेहतर स्व-प्रबंधन से यह पहल सफलतापूर्वक धरातल पर उतरी है। इससे ग्रामीण महिलाओं को विकास की प्रक्रिया में नेतृत्व करने का अवसर मिला है और गांव में स्वच्छ ऊर्जा के प्रति जागरूकता भी बढ़ी है।

इस पहल की सबसे बड़ी विशेषता इसका शून्य हितग्राही अंशदान और शून्य अतिरिक्त शासकीय सहयोग मॉडल है। इसके अंतर्गत हितग्राहियों को सोलर रूफटॉप स्थापना के लिए अपनी ओर से कोई अतिरिक्त राशि नहीं देनी पड़ी है। सोलर दीदियों के प्रयासों, सामूहिक सहभागिता और स्व-प्रबंधन के माध्यम से इसे सफल बनाया है।

सौर ऊर्जा के उपयोग से पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों पर निर्भरता कम करने और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने में मदद मिलती है। नारागांव में घर-घर सोलर रूफटॉप की स्थापना से ग्रामीणों को स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग का अवसर मिल रहा है। यह पहल आने वाले समय में अन्य गांवों के लिए भी प्रेरणा बन सकती है। सामुदायिक सहयोग और स्थानीय संसाधनों के बेहतर प्रबंधन से विकास के नए रास्ते तैयार किए जा सकते हैं।

गुरूर ब्लॉक के आँचल महिला संकुल संगठन के दीदियों का ग्राम नारागांव की यह उपलब्धि बताती है कि जब महिलाओं को नेतृत्व का अवसर मिलता है और समुदाय एकजुट होकर प्रयास करता है, तो बड़े से बड़ा बदलाव भी संभव होते हैं। सोलर दीदियों ने अपनी सक्रिय भूमिका से यह साबित किया है कि ग्रामीण महिलाएं केवल योजनाओं की हितग्राही ही नहीं, बल्कि विकास और परिवर्तन की महत्वपूर्ण नेतृत्वकर्ता भी हैं और यह एक व्यवसाय के रूप में आर्थिक संबलता भी प्रदान करता हैं इसके माध्यम से इन सोलर दीदियों को अबतक 2.50 लाख रूपए से अधिक की आय भी हो गई है।

नारागांव का यह अनूठा मॉडल स्वच्छ ऊर्जा, पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तीकरण और सामुदायिक आत्मनिर्भरता के समन्वय का प्रेरक उदाहरण है। सोलर दीदियों के माध्यम से प्रदेश के पहले ऊर्जीकृत गांव के रूप में नारागांव की यह पहल छत्तीसगढ़ में हरित ऊर्जा के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

संपादकीय

बेहतर से और बेहतर व्यवस्था करने का प्रयास

छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माण को 26 साल हो गए हैं इस दौरान भाजपा व कांग्रेस की सरकारें रहीं है। सभी सरकारों ने अपने समय में जनहित व राज्यहित के कई उल्लेखनीय काम किए हैं। इससे राज्य का विकास हुआ है। लोगों के लिए बेहतर से बेहतर व्यवस्था बनाने का प्रयास हुआ है। राज्य का जो भी विकास हुआ है, राज्य के लोगों को जो भी बेहतर से बेहतर सुविधाएं मिली है, उसके लिए सभी सरकारों ने अपने समय में सराहनीय काम किया है। राज्य बनने के बाद सबसे ज्यादा समय तक राज्य की जनता ने भाजपा को काम करने का मौका दिया है, इसलिए सबसे ज्यादा जनहित व राज्य हित में काम करने का मौका भाजपा को मिला है।राज्य के विकास में सबसे ज्यादा विकास के काम भाजपा सरकारों ने किए हैं तो स्वाभाविक रूप से इसका श्रेय तो उनको मिलना ही चाहिए। भाजपा के लिए कहा जा सकता है कि उसने अपने पहले 15 साल में राज्य के लोगों को बेहतर व्यवस्था देने प्रयास किया तो साय सरकार के समय कहा जा सकता है कि साय सरकार ने पिछली तमाम सरकारों से बेहतर व्यवस्था देने का काम किया है और इसका लाभ राज्य के लोगों को मिल रहा है और राज्य के लोग मानते हैं कि साय सरकार ने सुशासन का वादा किया और अपना वादा तीन साल में काफी कुछ पूरा किया है और बचे दो साल में भी वह लोगों को और बेहतर व्यवस्था व सुविधा देने का प्रयास करेगी और इस दौरान लोगों को सुशासन का एहसास हर क्षेत्र में होगा।

हर साल नवंबर में राज्य स्थापना दिवस पर उत्सव मनाया जाता है। इस साल भी सोल्लास राज्योत्सव एक से तीन नवंबर तक मनाया गया। राज्य के विकास का जश्न मनाया गया। राज्य के लोगों को बताया गया कि राज्य ने दो दाई दशक की यात्रा में कितना विकास किया है। राज्य की क्या उपलब्धियां रही हैं तीन दिन राज्य के लोगों में उल्लास रहा। इस मौके पर राज्य के निर्माण से लेकर राज्य के विकास में अटल बिहारी बाजपेयी व नरेंद्र मोदी की भूमिका को याद किया गया। याद किया गया कि अटल बिहारी बाजपेयी ने राज्य के लोगों से वादा किया था कि वह अगर भाजपा को दस सांसद देंगे तो वह बदले में लोगों को छत्तीसगढ़ राज्य देंगे।यहां की जनता ने भाजपा को दस सांसद दिए तो अटल बिहारी बाजपेयी ने उनको छत्तीसगढ़ राज्य की सौगात दी। 26 सालों में राज्य में बहुत बदलाव हुआ है इसका बहुत कुछ श्रेय अटलबिहारी बाजपेयी व नरेंद्र मोदी को जाता है।

पूर्व पीएम अटल बिहारी बाजपेयी ने गांवों तक सड़कों के लिए पीएमजीएसवाय जैसी बड़ी योजनाएं लाई,एम्स जैसी अस्पताल की सौगात दी। पीएम मोदी ने प्रदेश के नवनिर्माण की गारंटी दी।दशकों तक छत्तीसगढ़ नक्सलवाद के कारण विकास के क्षेत्र में पिछड़ा हुआ था।पीएम मोदी के सशक्त नेतृत्व और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन साय सरकार ने सुनियोजित रणनीति बनाकर 31 मार्च 26 तक नक्सलवाद को समाप्त करने का फैसला और ऐसा करके दिखाया भी है। सही मायने में कहा जाए तो साय सरकार की सबसे बड़ी सफलता तो नक्सलवाद का समूल नाश है क्योंकि होने को तो कांग्रेस की सरकार भी यहां हई लेकिन वह सोच नहीं पाई कि नक्सलवाद को समाप्त किया जा सकता है।इसी के साथ पीएम मोदी के नेतृत्व में देश के लोगों के साथ ही राज्य के लोगों को भी हितग्राहीमूलक योजनाएं बनाकर पक्का घर,नल से पानी,गैस की सुविधा, बिजली की सुविधा मुहैया कराई गई है। राज्य के लोगों के पास आज वह सब न्यूनतम सुविधाएं जो सभी के लिए बहुत जरूरी होती है।

जब छत्तीसगढ़ राज्य बना था तो धान का कटोरा होने के बाद भी राज्य में धान खरीदी की कोई व्यवस्था नहीं थी। तत्कालीन मुख्यमंत्री रमन सिंह के नेतृत्व में धान खरीदी व पीडीएस का माडल बनाया गया।इससे राज्य में किसानों का दाना दाना धान आज खरीदना संभव हुआ है तो गांव गांव तक लोगों को राशन भी आसानी से मिल रहा है। राज्य के लिए धान खरीदी व अनाज वितरण की व्यवस्था सबसे जरूरी होती है और आज यह दोनों व्यवस्था को और बेहतर बनाने का प्रयास साय सरकार कर रही है। तकनीक का उपयोग कर साय सरकार ने दोनों व्यवस्था पिछली सरकारों की व्यवस्था से बेहतर बनाने में सफल है। आज राज्य में अनाज एटीएम से लोग कहीं भी राशन ले सकते हैं तो किसान आसानी के अपना धान बेचते हैं तो उनके खाते में पैसा आसानी से आ जाता है। देश में साय सरकार के समय राज्य के किसानों को धान का सबसे ज्यादा पैसा मिल रहा है।

किसानों के अलावा राज्य में महिला सशक्तिकरण की तरफ साय सरकार ने अन्य राज्यों की तुलना ज्यादा ध्यान दिया है इससे राज्य की महिलाएं पहले की तुलना में आर्थिक रूप से ज्यादा सशक्त हुई हैं। साय सरकार महिला सशक्तिकरण के लिए राज्य की 68 लाख महिलाओं को हर माह एक हजार रुपए महतारी वंदन योजना के तहत सम्मान राशि देती है। इससे महिलाएं पहले की तुलना में आज खुद को सशक्त महसूस करती है,उनको छोटे छोटे खर्च के लिए किसी के सामने हाथ नहीं फैलाना पड़ता है इसके अलावा राज्य की 14 लाख महिलाएं उद्यमशीलता की राह अपनाकर लखपति दीदी बन गई है और दूसरी महिलाओं को प्रेरित भी कर रही है। साय सरकार ने युवाओं के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं को पारदर्शी,उद्यमियों के नई औद्योगिक नीति बनाकर, रोजगार बढ़ाने के लिए 8.60 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव को मंजूरी दी है। हर क्षेत्र में विकास के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। राज्योत्सव के समापन पर आए अमित शाह ने सच कहा है कि राज्य स्थापना दिवस गौरव,सिद्धि व संकल्प का दिन है।गौरव है कि आज के दिन राज्य बना था। आज का दिन सिद्धि को याद करने का दिन है यानी हमने क्या किया है और संकल्प लेने का दिन आगे क्या बेहतर से बेहतर करना है।

दीवाली से पहले बजी महिलाओं के मोबाइल में खुशी की घंटी

महतारी वंदन योजना की 33 वीं किस्त जारी, महिलाओं में उत्साह का माहौल

धनंजय राठौर, संयुक्त संचालक, जनसंपर्क रायपुर

दीवाली से पहले बजी महिलाओं के मोबाइल में खुशी की घंटीछत्तीसगढ़ शासन द्वारा महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और उनकी आत्मनिर्भरता को सुनिश्चित करने की दिशा में चलाई जा रही महत्वाकांक्षी महतारी वंदन योजना के तहत प्रदेश की माताओं-बहनों को दीवाली के पहले एक बड़ी सौगात मिली है। राज्योत्सव के समापन समारोह में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की उपस्थिति में महतारी वंदन योजना की 33वीं किस्त जारी की। इसके अंतर्गत प्रदेश की 67 लाख 40 हजार 410 पात्र महिलाओं के बैंक खातों में डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के माध्यम से कुल 632 करोड़ 63 लाख 67 हजार 750 रुपये की राशि अंतरित की गई।



67 लाख 33 हजार 502 महिला हितग्राहियों को लाभ

दीवाली से पहले महतारी वंदन योजना की 33 वीं किस्त जारी होने से महिलाओं और उनके परिवार में उत्साह का माहौल है। छत्तीसगढ़ शासन की इस निरंतर वित्तीय सहायता से प्रदेश की महिलाएं अपनी छोटी-छोटी जरूरतों को पूरा करने के साथ-साथ परिवार की आर्थिक गतिविधियों में भी सक्रिय योगदान दे रही हैं। ई-केवाईसी पूर्ण करा चुकीं 67 लाख 33 हजार 502 महिला हितग्राहियों को लाभ मिला। इसके साथ ही नियद नेल्ला नार कैंप क्षेत्रों की 6,908 महिलाओं को भी योजना की 33वीं किस्त प्रदान की गई। महतारी वंदन योजना के माध्यम से पात्र विवाहित महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। योजना का उद्देश्य महिलाओं की आर्थिक स्थिति मजबूत करना, परिवार की आवश्यकताओं की पूर्ति में उनकी सहभागिता बढ़ाना और उन्हें आर्थिक रूप से अधिक सक्षम बनाना है।

महतारी वंदन योजना की 33 वीं किस्त पात्र महिलाओं के बैंक खाते में अंतरित

ज्ञातव्य है कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व वाली छत्तीसगढ़ सरकार ने प्रदेश की विवाहित महिलाओं को आर्थिक रूप से सुदृढ़ बनाने के लिए 10 मार्च 2024 को महतारी वंदन योजना की शुरूआत की थी। इस योजना के अंतर्गत 67 लाख से अधिक महिलाओं के बैंक खाते में प्रतिमाह 1000 रुपए अंतरित किए जाते हैं। अब तक योजना की 33वीं किस्त के माध्यम से पात्र महिलाओं के बैंक खाते में 21 हजार 350.50 करोड़ रुपए अंतरित किए जा चुके हैं। महतारी वंदन योजना से मिलने वाली राशि से महिलाएं न केवल परिवार की दैनिक जरूरतों को पूरा करने में सक्षम हुई हैं, बल्कि खास अवसरों और त्यौहारों को भी धूमधाम से मनाने में भी सक्षम हुई हैं।

महिलाओं के आर्थिक रूप से सक्षम होने पर व्यापारियों को भी लाभ हुआ है। महतारी वंदन योजना के शुरू होने से बाजारों में रौनक बढ़ी है। करवाचौथ से शुरू हुआ महिलाओं के द्वारा खरीदारी का दौर निरंतर जारी है। महिलाओं के आर्थिक रूप से सक्षम होने से परिवार के मुखिया पर आर्थिक बोझ कम हुआ है। इस कारण महिलाएं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का प्रति आभार व्यक्त कर रही हैं। जब शासन की सहायता सही व्यक्ति तक पहुंचती है, तो वह केवल आर्थिक सहयोग नहीं रहती, बल्कि वह किसी महिला के लिए आत्मविश्वास बनती है, किसी परिवार के लिए उम्मीद, किसी बेटी के लिए सुरक्षित भविष्य और किसी बच्चे के लिए स्वस्थ जीवन की शुरूआत होती है।

महतारी वंदन से बेटी पढ़ाओ को मिल रहा संबल

धनंजय राठौर, संयुक्त संचालक, जनसंपर्क रायपुर

प्रदेश में महिलाओं के आर्थिक स्वावलंबन तथा उनके स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर मे सतत सुधार तथा परिवार में उनकी निर्णायक भूमिका सुदृढ़ करने हेतु, समाज में महिलाओं के प्रति भेदभाव, असमानता एवं जागरूकता की कमी को दूर करने, स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर में सुधार करने तथा आर्थिक स्वावलंबन एवं महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ में महतारी वंदन योजना लागू किया गया है, जिसके अंतर्गत पात्र विवाहित महिलाओं को प्रतिमाह 1000 रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है।छत्तीसगढ़ सरकार की महतारी वंदन योजना की शुरूआत आधिकारिक रूप से 1 मार्च 2024 को हुई थी और इसका औपचारिक शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 10 मार्च 2024 को किया गया था।प्रधानमंत्री ने कहा है कि मोदी की गारंटी का मतलब होता है, गारंटी पूरी होने की गारंटी।



यह योजना के तहत राज्य की सभी पात्र विवाहित महिलाओं को लाभ प्रदान की जा रही है इसके अलावा विधवा, तलाकशुदा और परित्यक्ता महिलाएं भी इस योजना का लाभ ले रही हैं। छत्तीसगढ़ की महतारी वंदन योजना की आर्थिक सहायता महिलाओं के लिए घरेलू जरूरतें पूरी करने के साथ बेटियों के भविष्य को संवारने का जरिया बन रही है।योजना से मिलने वाली राशि का एक हिस्सा वे सुकन्या समृद्धि खातों में जमा कर रही हैं, ताकि आगे चलकर बेटियों की उच्च शिक्षा और अन्य जरूरतों के लिए आर्थिक संबल मिल सके।यह पहल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ के संकल्प को जमीनी स्तर पर मजबूती दे रही है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि मातृशक्ति का सम्मान और उनका आर्थिक सशक्तिकरण हमारी सरकार के लिए केवल एक योजना या कार्यक्रम नहीं, बल्कि सुशासन की प्रमुख प्राथमिकता है। हमारा विश्वास है कि जब परिवार की महिला आर्थिक रूप से सशक्त होती है, तो उसका सकारात्मक प्रभाव पूरे परिवार पर पड़ता है। बच्चों की शिक्षा और पोषण से लेकर परिवार के स्वास्थ्य और भविष्य से जुड़े निर्णयों तक उसकी भागीदारी और मजबूत होती है।इसलिए महतारी वंदन योजना के माध्यम से सरकार माताओं-बहनों के हाथों में आर्थिक सामर्थ्य देकर उन्हें अपने निर्णय स्वयं लेने का आत्मविश्वास दे रही है।

दंतेवाड़ा जिले के बोडरी गांव की प्रमिला पोतामी के लिए बेटी की पढ़ाई के लिए बचत करना पहले आसान नहीं था। महतारी वंदन योजना से मिलने वाली नियमित मासिक सहायता ने उनके लिए बचत की राह खोली है। प्रमिला कहती हैं, हमारी आमदनी इतनी नहीं है कि कुछ बचाकर रख सकें। महतारी वंदन योजना से मिलने वाली राशि बड़ी मददगार है। इस राशि का कुछहिस्सा मैं सुकन्या समृद्धि खाते में जमा करती हूं जो आगे चलकर बेटी की पढ़ाई में काम आएंगे। दक्षिण बस्तर का दंतेवाड़ा लंबे समय तक नक्सल हिंसा से प्रभावित रहा है। ऐसे क्षेत्र में बेटी की शिक्षा के लिए बचत का यह प्रयास बदलती आकांक्षाओं और बेहतर भविष्य को नई उम्मीद दे रहा है। प्रमिला की तरह कुछ अन्य महिलाएं भी मासिक सहायता का हिस्सा बेटियों के नाम बचत करने में लगा रही हैं।

इस योजना से महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने में मदद मिल रही है, इससे महिलाएं अपनी आय के स्रोत विकसित कर कर अपने परिवार का आर्थिक रूप से सहयोग कर रही हैं। इस योजना से महिलाओं को सशक्त बनाने में मदद मिल रही है, इससे महिलाओं को अपने अधिकारों के बारे में जागरूक होने और उन्हें प्राप्त करने में मदद मिल रही है। रायपुर जिले के रावेली गांव की मीना निषाद ने भी अपनी बेटी महिमा के लिए सुकन्या समृद्धि खाता खुलवाया है। वह कहती हैं, महतारी वंदन योजना से हर महीने एक हजार रुपये मिलते हैं। मैं यह राशि अपनी बेटी के सुकन्या समृद्धि खाते में जमा करती हूं। मैं चाहती हूं कि आगे चलकर यह बचत उसकी पढ़ाई और भविष्य की जरूरतों में काम आए। सूरजपुर जिले के प्रतापपुर विकासखंड के परौं गांव की अंजू कुशवाहा भी इसी तरह बचत कर रही हैं। वह मासिक सहायता की कुछ राशि बेटी के सुकन्या खाते में जमा करती हैं और शेष रकम घरेलू खर्चों पर लगाती हैं। उनके मुताबिक, नियमित आर्थिक मदद से भविष्य के लिए थोड़ी-बहुत बचत कर पाने का भरोसा बढ़ा है।

वहीं, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले के बघमरा गांव की दीपाली मरकाम इस राशि का इस्तेमाल बच्चों की स्कूली जरूरतों और बेटी के भविष्य के लिए बचत करने में कर रही हैं। उनका कहना है कि हर माता-पिता चाहते हैं कि उनके बच्चे अच्छी शिक्षा हासिल करें और जीवन में आगे बढ़ें, लेकिन सीमित घरेलू संसाधनों के बीच भविष्य के लिए पैसे बचाना आसान नहीं होता। मासिक सहायता से उन्हें बच्चों की पढ़ाई में योगदान देने और बेटी के लिए बचत करने में मदद मिल रही है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा है कि छत्तीसगढ़ की नारी, शान हैं हमारी..

सुशासन की सरकार महतारी वंदन योजना के माध्यम से हर माह 1,000 यानी सालाना 12,000 की आर्थिक सहायता देकर प्रदेश की माता-बहनों के सम्मान, स्वाभिमान और आत्मनिर्भरता को नई मजबूती प्रदान कर रही है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने 8 अक्टूबर 2026 को योजना की 32 वीं किस्त के रूप में 67 लाख से अधिक महिलाओं के खातों में डी बी टी के माध्यम से 632 .40 करोड़ से अधिक की राशि अंतरित की गई है। अब तक 20,708 करोड़ से अधिक की राशि महतारी वंदन योजना के माध्यम से माता-बहनों को प्रदान की जा चुकी है।

महतारी वंदन योजना से रायपुर जिले के 5 लाख 13 हजार 534 हितग्राही, बिलासपुर जिले के 4 लाख 11 हजार 310 हितग्राही, दुर्ग के 3 लाख 89 हजार 507 हितग्राही, बलौदाबाजार-भाटापारा के 3 लाख 19 हजार 815 हितग्राही और महासमुंद जिले के 3 लाख 12 हजार 162 हितग्राहियों के खातों में डी बी टी के माध्यम से सुशासन की सरकार राशि अंतरित कर माताओं-बहनों को आर्थिक रूप से सक्षम बना रही है।

वर्ष 2015 में हाबेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत शुरू की गई सुकन्या समृद्धि योजना बालिकाओं के भविष्य के लिए बचत का अवसर देती है। इसके माध्यम से मां-बाप बेटियों की शिक्षा और विवाह जैसी भविष्य की जरूरतों के लिए धन जमा कर सकते हैं। इन महिलाओं के अनुभव बताते हैं कि नियमित आर्थिक सहायता से बेटियों की शिक्षा और भविष्य के लिए योजनाबद्ध बचत की शुरूआत करना संभव हो रहा है।

विकास की नई किरण : दंतेवाड़ा के सुदूर लावा गाँव में पहली बार गूंजी टीवी की आवाज, CREDA और जिला प्रशासन की अनूठी पहल



धनंजय राठौर, संयुक्त संचालक, आमना खान, सहायक संचालक, जनसंपर्क, रायपुर

छत्तीसगढ़ के दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा जिले के धुर नक्सल प्रभावित और दुर्गम इलाकों में विकास का पहिया अब तेजी से घूमने लगा है। इसी कड़ी में दंतेवाड़ा जिले के कुआकोंडा विकासखंड के अंतर्गत आने वाले एक अत्यंत सुदूर और दुर्गम पहाड़ी गाँव 'लावा' में जिला प्रशासन के सहयोग से क्रेडा (CREDA) विभाग द्वारा 'कम्युनिटी सोलर टीवी' (सामुदायिक सौर टीवी) की स्थापना की गई है। महज 21 परिवारों की आबादी वाले इस छोटे से आदिवासी गाँव के लिए यह किसी ऐतिहासिक क्रांति से कम नहीं है, क्योंकि यहाँ के ग्रामीणों ने अपने जीवन में पहली बार गाँव के भीतर ही टेलीविजन स्क्रीन देखी है।

बस्तर के दूरदराज गाँवों तक विकास और खुशहाली पहुँचाना हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस अभूतपूर्व पहल पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि बस्तर के हमारे दूरदराज और अंतिम छोर पर बसे गाँवों तक विकास, शिक्षा, और आधुनिक तकनीक की रोशनी पहुँचाना हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। दंतेवाड़ा के सुदूर लावा गाँव में सामुदायिक सोलर टीवी की स्थापना इस बात का प्रमाण है कि विकास अब नक्सलवाद के अंधेरे को पीछे छोड़कर हर आदिवासी भाई-बहन के जीवन तक पहुँच रहा है। जब इन सुदूर इलाकों के बच्चे और ग्रामीण पहली बार टीवी स्क्रीन पर देश-दुनिया की खबरें और ज्ञानवर्धक कार्यक्रम देखेंगे, तो उनके सपनों को एक नई उड़ान मिलेगी। हमारी सरकार बस्तर के समग्र विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।



दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों और चुनौतियाँ

बैलाडीला की ऊँची पहाड़ियों के पीछे और घने जंगलों के बीच बसा लावा गाँव भौगोलिक रूप से बेहद अलग-थलग है। किरंदुल के मुख्य लौह-अयस्क खनन क्षेत्र (NMDC) से करीब 8 किलोमीटर दूर स्थित इस गाँव तक पहुँचने के लिए आज भी कोई पक्की सड़क नहीं है। यहाँ के ग्रामीणों को अपनी बुनियादी जरूरतों, जैसे राशन दुकान (PDS) से चावल लाने के लिए आज भी पहाड़ी और पथरीले रास्तों से होकर मीलों पैदल सफर तय करना पड़ता है।

दशकों तक रहा नक्सलवाद का साया

लावा और इसके आसपास का पुरेंगल क्षेत्र दशकों तक घोर नक्सल प्रभावित इलाका रहा है। घने जंगलों और दुर्गम रास्तों का फायदा उठाकर नक्सलियों ने इस क्षेत्र को अपना गढ़ बना रखा था, जिसके कारण कई सालों तक यहाँ न तो कोई प्रशासनिक अधिकारी पहुँच पाता था और न ही कोई जनप्रतिनिधि। सुरक्षा कारणों से यहां पूरी तरह से आधुनिक दुनिया से कटा हुआ था और यहाँ बुनियादी सुविधाओं का पहुँचना एक सपना बना हुआ था।



सुरक्षा बलों का प्रयास और बदला परिदृश्य

सुरक्षा बलों के लगातार ऑपरेशन्स और मुस्तैदी के बाद अब इस क्षेत्र में नक्सलवाद का प्रभाव लगभग समाप्त हो चुका है। जहाँ कभी दहशत का माहौल था, वहाँ अब बदलाव की बयार बह रही है। हाल के दिनों में जिला कलेक्टर और क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों ने खुद इस गाँव का दौरा कर ग्रामीणों की चौपाल ली। सुरक्षा और विश्वास के इसी माहौल का नतीजा है कि आज प्रशासन सीधे ग्रामीणों के दरवाजे तक विकास योजनाएँ पहुँचा रहा है।

कम्युनिटी सोलर टीवी से बदलेगी तस्वीर

चूँकि यह गाँव पारंपरिक बिजली ग्रिड से काफी दूर है, इसलिए जिला प्रशासन और क्रेडा (छत्तीसगढ़ राज्य अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण) ने यहाँ सौर ऊर्जा का सहारा लिया। गाँव में लगाए गए इस कम्युनिटी सोलर टीवी के जरिए अब निम्नलिखित बदलाव देखने को मिलेंगे:

आधुनिक दुनिया और सूचनाओं से जुड़ाव

दुर्गम पहाड़ी गाँव 'लावा' में टीवी के माध्यम से अब गांव के लोग छत्तीसगढ़, भारत और पूरी दुनिया में हो रही गतिविधियों और खबरों से सीधे जुड़ सकेंगे। इससे ग्रामीणों को सरकार की नई योजनाओं, कृषि तकनीकों और स्वास्थ्य संबंधी कार्यक्रमों के बारे में आसानी से पता चल सकेगा।

बच्चों के लिए शिक्षाप्रद ज्ञान

गांव के बच्चों को अब टीवी के माध्यम से मनोरंजन के साथ पढ़ाई, ज्ञानवर्धक और शिक्षाप्रद कार्यक्रम देखने को मिलेंगे, जिससे उनकी समझ और सामान्य ज्ञान बढ़ेगा। सुदूर क्षेत्र में रहने वाले इन बच्चों के लिए स्क्रीन पर देखकर सीखना एक नया और प्रभावी अनुभव होगा।

मनोरंजन और सामाजिक मेलजोल

कम्युनिटी टीवी होने के कारण गांव के सभी 21 परिवार एक जगह इकट्ठा होकर कार्यक्रम देख सकेंगे। इससे ग्रामीणों के बीच आपसी जुड़ाव और बढ़ेगा। दिनभर खेती और वनोपज इकट्ठा करने की कड़ी मेहनत के बाद, शाम को मनोरंजन के साधन मिलने से ग्रामीणों के जीवन स्तर में सुधार आएगा।

सौर ऊर्जा का बेहतरीन उपयोग

चूंकि यह इलाका बेहद सुदूर और बिजली की पारंपरिक लाइनों से दूर है, इसलिए सोलर पैनल आधारित टीवी पूरी तरह से आत्मनिर्भर और पर्यावरण के अनुकूल है, जिससे बिना बिजली कटौती की चिंता अपना कामकाज कर सकते हैं।

दशकों के अंधेरे और नक्सली खौफ को पीछे छोड़कर लावा गाँव अब सौर ऊर्जा की रोशनी और सूचना तंत्र के जरिए एक नए युग में प्रवेश कर चुका है। जिला प्रशासन का यह प्रयास साबित करता है कि सरकार की नजरें बस्तर के अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति पर भी हैं।





बचे हुए खाने को कभी न करें बर्बाद! अपनाएं ये स्मार्ट किचन हैक्स

ताजा खाना खाने से सेहत भी बढ़िया होती है। लेकिन घर में हर बार नाप-तौल के खाना बनाना थोड़ा मुश्किल होता है। इसलिए बचे हुए खाने को कभी भी बर्बाद न करें, इससे अच्छा है कि लेफ्टओवर का फूड यूज कर सकते हैं। जब आपका खाना बनाने का मन न करें तो इन आसान तरीकों से लेफ्टओवर फूड को का इस्तेमाल कर सकते हैं।

लेफ्टओवर की करें प्लानिंग

कई बार होता है कि बाहर किसी काम से हमें कहीं जाना होता है, तो फिर घर लौटकर खाना बनाने में दिक्कत होती है। ऐसे में आप अपनी मनपसंद रेसिपी ज्यादा मात्रा में तैयार करके रख लें। फिर इसे फ्रिज में स्टोर करके रख दें, अब आपको खाना पकाने की कोई चिंता नहीं होगी। आप चाहे तो चीला या डोसा के लिए ज्यादा बैटर बनाकर स्टोर करके रख सकते हैं या फिर बिना सिकी हुई पैटी या उबले आलू।

ये चीजें लगती हैं ज्यादा टेस्टी

रात या दोपहर का खाना बच ही जाता है, ऐसे में आप अगली मील की प्लानिंग में बचे हुए खाने का इस्तेमाल कर सकते हैं। कुछ चीजें दोबारा गर्म करके खाने और पीने में ज्यादा टेस्टी लगती है, जैसे कि सूप, दाल, करी, रोस्ट की गई सब्जियां।

पारदर्शी कंटेनर में स्टोर करें

अक्सर होता है कि हम सभी खाना फ्रिज में रखकर भूल जाते है। इसलिए हमेशा कांच के पारदर्शी लंच बॉक्स या मैसन जार में खाना स्टोर करें। यह आपको फ्रिज खोलते ही नजर आने लगेंगे।

बचे हुए खाना से नई रेसिपी बनाएं

अगर आपका खाना बच जाता है, तो आप अगले मील के लिए इसे खा सकते हैं। कुछ रेसिपी बनाकर बचा हुआ खाना बना सकते हैं। उदाहरण के तौर पर, बची हुई सब्जियों को ऑमलेट या फिर चीले में इस्तेमाल करें। सलाद में उबले हुए काबुली चना डाल दें। बचे हुए चावल से फ्राइड राइस या फिर एग राइस बना सकते हैं। इसके अलावा, आप लेफ्टओवर फूड को नए रुप में सर्व करके डिशेज बना सकते हैं। इस तरह से आप बचा हुआ खाने को खत्म कर सकते हैं।

गुड़ की चाय फटने की टेंशन खत्म! आजमाएं ये सीक्रेट टिप्स, बनेगी लाजवाब



चाय लवर हर मौसम में इसे स्वाद से पीते हैं। चाहे गर्मी हो या सर्दी चाय की लत वाले इसे खूब पीते है। चाय के दीवाने चिलचिलाती धूप में बड़े चाव से चाय पीने के शौकीन होते है। इस मौसम में या फिर सर्दियों के दौरान गुड़ की चाय पीने का एक अलग ही मजा होता है। यह स्वाद के साथ ही काफी हेल्दी होती है। लेकिन कई बार गुड़ की चाय बनाने के फट जाती है। अगर आप इसे सही तरीके से बनाएंगे तो यह कभी नहीं फटेगी। आइए आपको बताते हैं किन तरीकों से बनाएं गुड़ की टी।

सही समय पर दूध डलना जरुरी

कई लोग गुड़ की चाय बनाते समय बड़ी गलती यह करते हैं कि गुड़ के साथ ही तुरंत दूध डाल देते हैं। गुड़ को चाय के पानी में घोलते ही दूध डालें। पहले चाय के पानी में गुड़ को अच्छे से घुलने दें और इसे एक-दो उबाल आने दें। फिर गैस बंद कर दें या आंच को धीमी कर दें। चाय का तापमान कम होने बाद ही दूध को डालें।

पहले दूध को गर्म करें

अगर आप ठंडा या सामान्य तापमान का दूध उबलते हुए गुड़ वाले पानी में डल रहे, तो यह आपके चाय को फाड़ देगी। इसलिए आप दूसरे बर्नर पर दूध को गर्म करके डाल दें। इसके बाद आप गुड़ वाला घोल तैयार होने के बाद इसमें गर्म दूध को धीरे-धीरे मिश्रण में डालें। इसके अलावा, नकली गुड़ से बचें, इनमें केमिकल भरा होता है। इसलिए आप भूरा या काले रंग वाल गुड़ खरीदें।जिससे चाय अच्छी बनेगी।

कैसे बनाएं गुड़ वाली चाय

» इसके लिए एक पैन में पानी लें और उसमें अदरक, इलायची या अन्य मसाले कूटकर डाल दीजिए।

» जब पानी उबलने लगे, तो बारीक कटा हुआ गुड़ डालें और उसे पूरी तरह से घुलने दें।

» इसके बाद आप गुड़ चाय पत्ती डालें और चाय को अच्छी तरह से 2-3 मिनट तक उबलने दें, ताकि मसाला और गुड़ का स्वाद पानी में पूरी तरह आ जाए।

» चाय का वेस जब कड़क हो जाए, तो गैस बंद कर दें या आंच बिल्कुल धीमी कर दें।

» इसके बाद आप दूसरे पैन में गर्म किया हुआ उबला हुआ दूध इस गुड़ वाले मिश्रण में धीरे-धीरे मिलाएं।

» इस मिश्रण को एक बार फिर हल्का सा आंच पर रखें और सिर्फ एक उबाल आने दें।उबाल आते ही तुरंत गैस बंद चाय को छान लें।



खाना खाते समय हम सभी उसके टेस्ट पर सबसे ज्यादा ध्यान देते हैं। अक्सर अपने खाने को तीखा या चटपटा बनाने के लिए अधिक मसालों का इस्तेमाल करते हैं। कभी-कभी तीखी चटनी या मिर्च का अचार खाने के स्वाद को बढ़ा देता है। इससे आपके टेस्ट बड को तो मजा आता है, लेकिन स्किन पर इसका उल्टा असर हो सकता है। बहुत ज्यादा तीखा खाने से चेहरे में रेडनेस व डलनेस की शिकायत होती है। वो गर्मी जो शरीर में महसूस होती है, स्किन पर भी असर डालती है, जिससे ऑयल ज्यादा बनने लगता है और चेहरा डिहाइड्रेट हो जाता है।

मसालेदार खाना खाकर चेहरा दिखने लगा है डल, तो इन आसान घरेलू नुस्खों से मिनटों में पाएं दमकती स्किन

ऐसे में अधिकतर लोग सोचते हैं कि उन्हें अपने पसंदीदा मसालेदार खाने से दूरी बनानी पड़ेगी। जबकि वास्तव में ऐसा नहीं है। अगर आप चाहें तो अपने पसंदीदा खाने का लुत्फ उठाते हुए भी ग्लोइंग स्किन पा सकती हैं। बस जरूरत है कुछ आसान स्किनकेयर स्टेप्स अपनाने की। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको ऐसे ही कुछ आसान तरीकों के बारे में बता रहे हैं, जो मसालेदार खाने के बाद चेहरे की डलनेस को दूर करने में मदद करेंगे-

भरपूर पानी पीएं

अगर आप अपनी स्किन के खोए हुए ग्लो को वापिस पाना चाहती हैं तो ऐसे में आपको भरपूर मात्रा में पानी पीना चाहिए। दरअसल, मसालेदार खाना खाने से शरीर में पसीना और गर्मी बढ़ जाती है, जिससे शरीर का पानी कम होने लगता है। इसी डिहाइड्रेशन की वजह से स्किन रुखी, डल और बेजान नजर आने लगती है। इसलिए दिनभर में भरपूर पानी पीएं। इसके अलावा, नारियल पानी पीना भी काफी अच्छा रहता है। नारियल पानी से हाइड्रेशन के साथ-साथ इलेक्ट्रोलाइट्स भी मिलते हैं, जिससे स्किन की नमी भीतर से बनी रहती है।

लगाएं कूलिंग फेस मास्क

मसालेदार खाने के बाद स्किन को सूकून और नमी की जरूरत होती है। इसलिए, आपको एलोवेरा, खीरा या दही से बने मास्क को स्किन पर अप्लाई करना चाहिए। यह स्किन को ठंडक देने के साथ-साथ जलन कम करता है। मास्क बनाने के लिए आप दो चम्मच दही के साथ एक चम्मच एलोवेरा जेल और कुछ बूंदे गुलाबजल मिक्स करके अप्लाई करें। करीबन 15-20 मिनट बाद ठंडे पानी से चेहरो धो लें। इससे स्किन को ठंडक, नमी व ग्लो मिलता है।

हाइड्रेटिंग टोनर या गुलाबजल से करें स्प्रे

मसालेदार खाने से शरीर में गर्मी बढ़ने लगती है। गर्मी बढ़ने से स्किन की नमी जल्दी उड़ जाती है। ऐसे में गुलाबजल या टोनर लगाने से फायदा मिलता है। इससे चेहरा तुरंत ठंडा और फ्रेश लगता है, साथ ही पीएच बैलेंस भी बना रहता है। इसलिए, दिनभर में 2-3 बार गुलाबजल स्प्रे करें। इससे स्किन की नमी बनी रहती है। साथ ही, वह फ्रेश महसूस होती है।

फूड क्रेविंग्स से हेल्थ को हो सकता है नुकसान, इसे रीसेट करने के लिए आजमाएं ये आसान ट्रिक्स

हम सभी को अक्सर फूड क्रेविंग्स होती ही है। कभी-कभी कुछ मीठा खाने का मन होता है तो कभी हम कुछ चटपटा खाते हैं। जब यह क्रेविंग्स होती हैं तो हम खुद को रोक ही नहीं पाते हैं। अचानक से मन करता है कि अभी चॉकलेट चाहिए, बस अभी। ऐसे में अक्सर हम अपना फ्रिज टटोलने लग जाते है या फिर बाहर अपना पसंदीदा फूड खाने के लिए निकल जाते हैं। हो सकता है कि आप भी अपने टेस्ट बड और फूड क्रेविंग्स की वजह से परेशान हो और इससे आपकी सेहत को लगातार नुकसान हो रहा हो। हालांकि, ऐसे में आपको परेशान होने की बिल्कुल भी जरूरत नहीं है। अगर आप चाहें तो अपनी फूड क्रेविंग्स को आसानी से रीसेट कर सकती हैं। बस आपको अपना माइंडसेट बदलने की जरूरत है और कुछ छोटी-छोटी आदतों को अपने की जरूरत है। जब आप ऐसा करते हैं तो क्रेविंग्स आप पर हावी नहीं हो पाएंगी। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे ही आसान तरीकों के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आप फूड क्रेविंग्स को आसानी से रीसेट कर सकते हैं-

पहले पीएं पानी - अगर आपको फूड क्रेविंग्स हो रही हैं, तो ऐसे में कुछ भी खाने से पहले एक पूरा गिलास पानी पियो और फिर 10 मिनट के लिए रुक जाओ। इससे कई बार आपकी क्रेविंग्स खुद व खुद खत्म हो जाती है। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि कई बार शरीर की प्यास को दिमाग भूख समझ लेता है। पानी पीने से शरीर हाइड्रेट होता है, झूठी भूख की फीलिंग कम होती है और आप बेवजह की स्नैकिंग से बच पाते हैं।

नींद के साथ समझौता नहीं - अक्सर लोग पर्याप्त नींद नहीं लेते हैं और इससे भी उनकी फूड क्रेविंग्स बढ़ने लगती हैं। दरअसल, कम नींद लेने से घ्रेलिन हार्मोन बढ़ता है और लेप्टिन हार्मोन घटता है। यही असंतुलन जंक फूड की क्रेविंग बढ़ाता है, खासकर कार्ब्स और मिठाइयों की क्रेविंग्स कई गुना बढ़ने लगती है। इसलिए रोजाना 7-8 घंटे की गहरी अवश्य लें।

करें माइंडफुल ईटिंग - अगर आप बेवजह की फूड क्रेविंग्स से बचना चाहती हैं तो ऐसे में माइंडफुल ईटिंग करना यकीनन काफी अच्छा रहता है। आप हमेशा धीरे-धीरे खाएं और बिना किसी डिस्ट्रेक्शन के खाना खाएं। दरअसल, जब आप माइंडफुल ईटिंग करते हैं तो ऐसे में दिमाग को समझ आता है कि पेट भर गया है। जल्दी-जल्दी खाने से ये सिग्नल कन्फ्यूज हो जाते है और बाद में दोबारा कुछ खाने का मन करता है, भले ही पेट भरा हो।





पाचन शक्ति बढ़ाएगा भुना जीरा या जीरा पानी? जानें कौन है सबसे बेहतर उपाय!

खराब जीवनशैली और गलत खानपान के कारण कई बीमारियां शरीर को घेर लेती है। आजकल लोग मोटापे से काफी परेशान है। वहीं, कुछ लोगों का डाइजेशन खराब रहता है। पेट भारी होने से उन्हें कुछ भी खाने का मन नहीं होता है। पेट की पाचन क्रिया जबरदस्त रहती है तो शरीर भी हेल्दी रहता है। खाना खाने के बाद भोजन पच नहीं रहा, तो एसिडिटी, गैस और पेट दर्द जैसी परेशानियां होने लगती है। अब आपको जानना बेहद जरुरी है कि भुना जीरा या जीरे का पानी कौन है सबसे बेहतर। आइए आपको बताते हैं-

भुना जीरा के फायदे

- ये डाइजेशन एंजाइम्स को एक्टिव करता है। यह खाना को जल्दी और आसानी से डाइजेस्ट हो जाता है।

- भुना हुआ जीरा खाने से गैस और पेट फूलने की समस्या दूर हो जाती है।

- भुना हुआ जीरा सेवन करने से शरीर को ज्यादा पोषण मिलता है।

- इसमें पाए जाने वाला एंटीऑक्सीडेंट्स आंतों की सूजन कम करते है।

कैसे सेवन करें

भुना जीरा को आप अपने खाने में डाल सकती है। इसको आप सलाद, रायता, दही या सब्जी में मिलाकर सेवन कर सकती हैं।

जीरा पानी के फायदे

- जीरा पानी पीने से पेट के एंजाइम्स को एक्टिव करता है, जिससे खाना आसानी से डाइजेस्ट भी हो जाता है।

- जीरा पानी पीने से एसिडिटी और जलन से भी राहत मिलती है।

- ये पानी शरीर को डिटॉक्स करने में मदद करता है।

कैसे सेवन करें

आपको सुबह खाली पेट गुनगुना जीरा पानी पीना सबसे बेहतरीन माना जाता है। यह आपके पाचन को बेहतर करता है।

कौन बेहतर है- भुना जीरा या जीरा पानी

अगर आपक हल्की-फुल्की गैस है, तो भुना जीरा का सेवन कर सकते हैं। यदि आपको बार-बार एसिडिटी, कब्ज और पेट फूलने की समस्या हो रही है, तो आपको जीरा पानी का सेवन करना चाहिए। दोनों ही अपने तरीके से फायदेमंद है। आप जैसा चाहे इसका सेवन करें।

हील्स पहनकर पैरों में होता है भयंकर दर्द? इन स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज से पाएं तुरंत आराम!

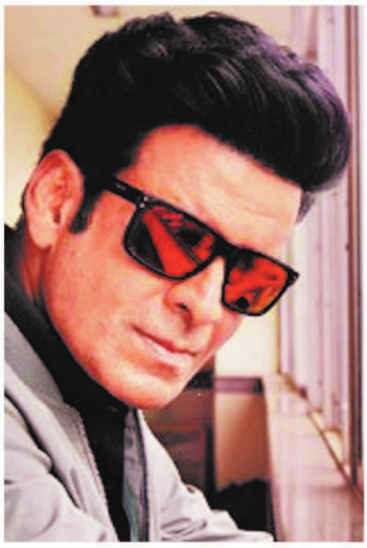
लड़कियां स्टाइलिंग और फैशन के मामले में किसी भी तरह का समझौता नहीं करती। स्टाइलिश बनाने के लिए कभी-कभी लड़कियां दर्द सहने को भी तैयार रहती हैं। ऑफिस, पार्टी और शादी में आउटफिट लुक को परफेक्ट बनाने के लिए महिलाएं हील्स जरुर पहनती हैं। हील्स पहनना सभी को पसंद है और यह लुक भी गजब का देता है। लंबे समय तक हील्स पहनने से पैरों में दर्द या फिर टखनों में जकड़न की शिकायत होने लगती है। कई बार तो दर्द इतना भयंकर होता है कि चलना-फिरना भी मुश्किल हो जाता है। आइए आपको बताते है कुछ स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज के बारे में, जो हील्स पहनने में काफी फायदेमंद रहेगी।

कफ स्ट्रेच - आमतौर पर हील्स पहनने पर पिंडलियों में टाइटनेस आ जाती है। कफ स्ट्रेच करने से उस मसल्स की टाइटनेस को कम करने में मदद करता है। यह ब्लड सर्कुलेशन को बढ़ाता है। आप चाहे तो वॉल के पास खड़े होकर काफ स्ट्रेच कर सकते है। इसे करने के लिए दीवार के सामने सीधे खड़े हो जाएं। अब एक पैर आगे और दूसरा पीछे रखें। पीछे वाला पैर एड़ी के साथ जमीन पर टिका रहे। दोनों हाथ दीवार पर रखकर थोड़ा आगे झुके, जब तक पीछे वाले पैर की पिंडली में खिंचाव न महसूस हो। इसे करीब 20-30 सेकंड ऐसे ही रुकें। अब दूसरे पैर से भी इसी तरह स्ट्रेच करें।

फुट आर्च स्ट्रेच -इसे करते समय टॉवल या रेसिस्टेंस बैंड का इस्तेमाल किया जाता है। हील्स पहनने से जो मसल्स टाइट हो जाती है, उन्हें ये स्ट्रेच खोलता है। इसे करने के लिए एक टॉवल या रेसिस्टेंस बैंड लो। इसे अपने पैरों के पंजे में फंसाए और धीरे-धीरे अपनी तरफ खींचो।ऐसा करने से पैरों के आर्च और एड़ी खिंचाव फील होगा। अपने क्षमतानुसार इसी पोजिशन में रुके और सामान्य अवस्था में लौट आएं।

एकल रोल्स -एकल रोल्स स्ट्रेच को आप कुर्सी पर बैठकर कर सकते हैं। यह आपके एकल ज्वॉइंट्स को एलेविसबल बना देता है और पैर की सूजन भी कम हो जाती है। इसे करने के लिए सबसे पहले आप कुर्सी पर बैठ जाएं। अब एक पैर ऊपर उठाओ और एकल को पहले घड़ी की दिशा में, फिर उल्टी दिशा में घुमाओ। ऐसे ही दूसरे पैर से भी करें। इस तरह आप दोनों डायरेक्शन में 10-10 बार रोल करें।





फिल्म इंडस्ट्री कोई परिवार नहीं, ये भ्रम है

मनोज बाजपेयी इन दिनों बॉलीवुड से कुछ ज्यादा ही नाराज चल रहे हैं। चार बार नेशनल फिल्म अवॉर्ड जीत चुके मनोज की पिछली दो फिल्में 'लास्ट मैन इन टावर' और 'गर्वनर' बॉक्स ऑफिस पर डिजास्टर साबित हुई हैं। इन दिनों वह नेटफिलक्स पर रिलीज अपनी फिल्म 'गजब रात' को लेकर चर्चा में हैं। हालांकि, इस फिल्म को भी बहुत अच्छे रिव्यूज नहीं मिले हैं। इस बीच 57 साल के एक्टर ने फिल्म इंडस्ट्री को 'एक बड़ा परिवार' मानने वाली आम धारणा को चुनौती दी है। 'गजब रात' के प्रमोशन के दौरान मनोज बाजपेयी ने कहा कि 'यह इंडस्ट्री बकवास है' और यहां किसी को किसी की कोई कद्र नहीं है।

बातचीत में मनोज बाजपेयी ने कहा, 'अगर आप मुझे एक उदाहरण मानना चाहें, तो मैं एक उदाहरण हूं। मैं फिल्म इंडस्ट्री से हूं, फिर भी मुझे नहीं लगता कि मैं इसका हिस्सा हूं। जरूरी नहीं कि आप बांद्रा से ही हों। आप मलाड में रहकर भी एक्टिंग कर सकते हैं। अहम बात यह है कि आप जो भी करें, वह अच्छा हो। बाकी बातों से कोई फर्क नहीं पड़ता। असल में कोई 'परिवार' या 'बिरादरी' जैसी चीज नहीं होती। सबसे बड़ा भ्रम यही है कि यह इंडस्ट्री एक परिवार है। यह किसी परिवार की तरह नहीं है। सबके ऑफिस अलग-अलग हैं, कोई किसी के साथ पार्टी नहीं करता और अगर किसी को किसी की फिल्म पसंद आ जाए, तो भी कोई फोन करके तारीफ नहीं करता।'

मनोज बाजपेयी ने दो टूक कहा कि इंडस्ट्री में कोई भी एक्टर किसी दूसरे की सफलता देखकर खुश नहीं होता। कोई भी डायरेक्टर खुद को दूसरे निर्देशक से कम नहीं समझता। कोई भी प्रोडक्शन हाउस किसी दूसरे प्रोडक्शन हाउस को ज्यादा पैसे कमाते देखकर खुश नहीं होता। इसलिए, इन सब बातों को अपने दिमाग से निकाल देना चाहिए।

साल 2024 में ओटीटी पर रिलीज 'गुलमोहर' के लिए नेशनल अवॉर्ड पाने वाले मनोज बाजपेयी कहते हैं, 'आप अकेले आए हैं और जब आप जाएंगे, तब भी अकेले ही जाएंगे। वैसे, इस तरह की सलाह देने के लिए मैं शायद सही इंसान नहीं हूं। मैं आपको पहले ही यह डिस्क्लेमर दे देता हूं, क्योंकि मैं किसी को भी इस तरह से नहीं मानता। मैं अपना काम करता हूं, अपने पैसे लेता हूं और घर वापस आ जाता हूं।'

राज एंड डीके की सीरीज 'द फैमिली मैन' फेम एक्टर ने आगे काम के प्रति अनुशासन के महत्व पर जोर दिया। कहा कि अनुशासन लोगों को उनके करियर में आने वाली चुनौतियों के लिए तैयार रहने में मदद करता है। लेकिन साथ ही कहते हैं, 'ऐसे कई अभिनेता हैं जो अनुशासित नहीं हैं, फिर भी उनकी तारीफ होती है और वे अच्छा पैसा भी कमाते हैं। मैं किसी और की बात नहीं कर रहा हूं। मैं अपनी बात कर रहा हूं, मुझे अनुशासित रहना पसंद है।



अब सेट पर बात नहीं करते एक्टर्स, सब वैनिटी वैन और फोन में बिजी

जब मनोज बाजपेयी से पूछा गया कि उन्हें फिल्म इंडस्ट्री में सबसे ज्यादा क्या नापसंद है, तो उन्होंने सेट पर होने वाले असमान व्यवहार का जिक्र किया। पुराने दौर को याद करते हुए कहा कि उस जमाने में एक्टर्स शूटिंग के बीच एक-दूसरे के साथ समय बिताते थे, लेकिन अब सोशल मीडिया और वैनिटी वैन में रहते हैं। वह कहते हैं, 'मैं बहुत परेशान रहने वाला इंसान हूं। कई चीजों को लेकर मेरे मन में काफी उलझनें और बेचैनी रहती है। पहली बात, हर सेट पर बराबरी होनी चाहिए। सबको एक जैसा खाना मिलना चाहिए। दूसरी बात, कलाकारों को एक-दूसरे के साथ बैठकर बातचीत करनी चाहिए। पहले के समय में, कलाकार साथ बैठकर बातें करते थे। अगर उनका शेड्यूल इजाजत देता, तो वे शाम को भी मिलते थे, खूब गपशप करते थे और मजे करते थे। लेकिन अब, हर कलाकार अपनी वैन में चला जाता है और बस सोशल मीडिया पर लगा रहता है।'



ऑस्कर की रेस में भारतीय फिल्म का साथ देंगी प्रियंका चोपड़ा, 'वी वर हीअर' का थामा हाथ

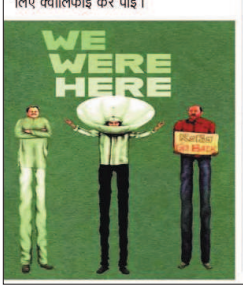
फिल्ममेकर प्रणव भसीन की फिल्म 'वी वर हीअर' को अब ऑस्कर की दौड़ के लिए तैयार किया जा रहा है। उनकी मदद के लिए अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने हाथ आगे बढ़ाया है।

प्रियंका चोपड़ा का फिल्म से क्या है कनेक्शन

प्रियंका चोपड़ा एक बार फिर भारतीय सिनेमा को इंटरनेशनल लेवल पर पहचान दिलाने की दिशा में कदम बढ़ाती नजर आ रही हैं। प्रणव भसीन के निर्देशन और लेखन में बनी शॉर्ट फिल्म 'वी वर हीअर' को अब तक 80 से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल में दिखाया जा चुका है। फिल्म से जुड़ने को लेकर प्रियंका चोपड़ा ने अपनी खुशी जाहिर की है। उन्होंने एक प्रेस नोट में कहा, 'यह फिल्म एक ऐसे विषय को नए और मजेदार अंदाज में पेश करती है, जो आज के समय में काफी प्रासंगिक है। एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर के तौर पर इससे जुड़ने का मौका मिलते ही मैंने हां कर दी। मैं इस क्रिएटिव टीम का साथ देना चाहती हूं, ताकि उनकी शानदार और अनोखी सोच को वह पहचान मिल सके जिसकी वह हकदार है।'

20 से ज्यादा अवॉर्ड जीत चुकी है फिल्म

'वी वर हीअर' ने अपने फेस्टिवल सफर में कई बड़े अवॉर्ड जीते हैं। फिल्म को साउथ बाय साउथवेस्ट फिल्म फेस्टिवल में ऑडियंस अवॉर्ड फॉर बेस्ट नैरेटिव शॉर्ट और रेडब्रेस्ट अनहिडन अवॉर्ड मिला। इसके अलावा पाम स्प्रिंग्स इंटरनेशनल शॉर्टफेस्ट में फिल्म ने 15 मिनट से कम की बेस्ट लाइव-एक्शन शॉर्ट फिल्म और बेस्ट कॉमेडी शॉर्ट का अवॉर्ड जीता। वहीं, क्लेरमॉन्ट-फेराड इंटरनेशनल शॉर्ट फिल्म फेस्टिवल में इसे कैनाल प्लस प्राइज मिला था। इसी फिल्म फेस्टिवल में इसका वर्ल्ड प्रीमियर भी हुआ था। पाम स्प्रिंग्स में मिले अवॉर्ड की वजह से ही फिल्म ऑस्कर के लिए क्वालिफाई कर पाई।



रामायण में सीता बनने के लिए साई पल्लवी ने लिया मेडिटेशन का सहारा



अभिनेत्री साई पल्लवी जल्द ही फिल्म 'रामायण' में मां सीता के किरदार में नजर आएंगी। इस किरदार को निभाना उनके लिए सिर्फ एक फिल्म का हिस्सा बनने जैसा नहीं बल्कि एक बड़ी जिम्मेदारी है। साई पल्लवी ने बताया कि इस सम्मानित किरदार को पूरी गरिमा के साथ पर्दे पर उतारने के लिए उन्होंने मेडिटेशन का सहारा लिया। उनका मानना है कि यह फिल्म सिर्फ एक सिनेमाई अनुभव नहीं होगी बल्कि इतिहास का हिस्सा बनेगी, जिसे आने वाली पीढ़ियां भी देखेंगी। साई पल्लवी हाल ही में लोकप्रिय क्विज रियलिटी शो 'कौन बनेगा करोड़पति' में पहुंची। यहां उन्होंने शो के होस्ट और मेगास्टार अमिताभ बच्चन के साथ बातचीत के दौरान सीता मां का किरदार निभाने की अपनी तैयारी के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि इस भूमिका को लेकर उनके मन में काफी सम्मान और जिम्मेदारी का भाव था। वह चाहती थी कि इस किरदार को निभाते समय किसी तरह की बाधा न आए और वह इसे पूरी गरिमा के साथ पर्दे पर उतार सकें।

साई ने कहा, ''इस किरदार के लिए मैंने सिर्फ प्रार्थना की। मैंने भगवान से यही मांगा कि इसे निभाने के दौरान मेरे सामने जितनी भी मुश्किलें आएं, वे दूर हो जाएं। हम जो फिल्म बना रहे हैं, वह सिर्फ एक फिल्म नहीं है बल्कि इतिहास का हिस्सा भी बनेगी। आने वाली पीढ़ियां और भविष्य के लोग भी इसे देखेंगे। उस समय हममें से कोई यहां नहीं होगा लेकिन फिल्म रहेगी। इसलिए उस किरदार में गरिमा होनी चाहिए। इसी वजह से मैं इस भूमिका के लिए सिर्फ प्रार्थना कर रही थी।'' अभिनेत्री ने बताया कि सीता मां का किरदार निभाते हुए उन्होंने मेडिटेशन को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाया। इससे उन्हें अपने विचारों को शांत रखने और मुश्किल परिस्थितियों में खुद को संभालने में मदद मिली।



साई ने कहा, ''असल में मेडिटेशन न करने पर मेरे मन में और ज्यादा विचार आने लगते हैं। इसलिए सीता मां का किरदार निभाते समय भी मैं ज्यादातर मेडिटेशन करती थी। इस भूमिका से मैंने सीखा कि जब भी आप किसी तनावपूर्ण स्थिति में हों, तो उस पर तुरंत प्रतिक्रिया देने के बजाय उसे सिर्फ देखना और समझना चाहिए। जब भी मेरे सामने कोई मुश्किल या तनावपूर्ण स्थिति आती थी, तो मैं सोचती थी कि सीता मां ऐसी परिस्थिति में कैसे प्रतिक्रिया देतीं। मुझे लगता है कि उनके किरदार से मैंने यही सबसे बड़ी बात सीखी है।''

गौरतलब है कि फिल्म 'रामायण' का निर्देशन नितेश तिवारी कर रहे हैं। फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम की भूमिका में नजर आएंगे जबकि रवि दुबे भगवान लक्ष्मण का किरदार निभा रहे हैं। वहीं, साई पल्लवी मां सीता की भूमिका में दिखाई देंगी। फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच पहले से ही काफी उत्सुकता है। फिल्म 5 नवंबर को रिलीज होने वाली है।



रोमांटिक कॉमेडी 'पारिवारिक मनोरंजन' में पंकज त्रिपाठी के साथ नजर आएंगी अदिति राव हैदरी

अभिनेत्री अदिति राव हैदरी आगामी पारिवारिक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म 'पारिवारिक मनोरंजन' में अभिनेता पंकज त्रिपाठी के साथ नजर आएंगी। अभिनेत्री ने बताया कि को-स्टार पंकज त्रिपाठी के साथ काम करना उनके मजेदार अनुभवों में से एक रहा। अभिनेत्री का कहना है कि पंकज त्रिपाठी का सहज ह्यूमर सीन को हल्का और मजेदार बनाने में मदद करता है।

अदिति राव हैदरी ने कहा, 'पंकज जी के साथ पहली बार स्क्रीन शेयर करना सच में बहुत खुशी की बात थी। उनका ह्यूमर इतना सहज और नेचुरल है कि हर सीन हल्का और ज्यादा मजेदार लगने लगा।' अभिनेत्री इस फिल्म में 'हेलेन' नाम का किरदार निभा रही हैं, जो एक प्रॉपर्टी मैनेजर और हाउसकीपर के रूप में रंजन के घर आती हैं। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए अभिनेत्री अदिति राव हैदरी ने कहा, 'यह एक ऐसी फिल्म है, जिसमें हमारे दर्शकों को रोमांस, ह्यूमर और फैमिली ड्रामा देखने को मिलेगा। यह एक ऐसी फिल्म है, जिसे हमारे दर्शक चाहने वालों के साथ देखना पसंद करेंगे। मुझे इस किरदार के साथ काम करने में बहुत मजा आया है। उसकी खूबियों को और वो अपने आसपास के लोगों से कैसे जुड़ती है, ये सब खोजने में।' वहीं, पंकज त्रिपाठी ने फिल्म को लेकर कहा, 'मुझे इस फिल्म में इसकी सादगी, किरदारों का असल जिंदगी से जुड़ा होना और ह्यूमर के छोटे-छोटे पल बहुत पसंद आए, जो फैमिली स्टोरीज को खास बनाते हैं। इसमें परिवार की गर्मजोशी है, थोड़ा रोमांस है और वो मजा है जो इसे त्योहारों में देखने के लिए परफेक्ट बनाता है। इस फिल्म का हिस्सा बनकर मुझे बहुत अच्छा लगा और मैं चाहता हूं कि दर्शक भी अपने चाहने वालों के साथ इस फिल्म को एन्जॉय करें।' यह फिल्म एक फैमिली एंटरटेनर है, जिसमें रोमांस, ह्यूमर और फैमिली ड्रामा का तड़का है। फिल्म का मकसद त्योहारों के मौके पर दर्शकों को एक हल्की-फुल्की फिल्म देना है, जिसे वे अपने परिवार के साथ एन्जॉय कर सकें।



क्या पलक-इब्राहिम का हुआ ब्रेकअप साथ करने वाले थे शूट, फिर किया रद्द

पलक तिवारी और इब्राहिम अली खान अक्सर एक-दूसरे के साथ स्पॉट किए गए हैं। खबरों के मुताबिक दोनों 3 साल से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। लेकिन अब खबरें सामने आ रही हैं कि दोनों ने अपने रास्ते अलग कर लिए हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों ने आपसी सहमति से अलग होने का फैसला किया है। बताया जा रहा है कि इस रिश्ते को खत्म करने का फैसला इब्राहिम की तरफ से लिया गया। इतना ही नहीं, दोनों के साथ होने वाले कुछ शूट भी या तो रद्द कर दिए गए हैं या फिलहाल रोक दिए गए हैं। हालांकि, अभी तक पलक और इब्राहिम में से किसी ने भी इस खबर पर आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा है। बातचीत में एक सूत्र ने बताया कि दोनों के अलग होने की असली वजह के बारे में किसी को जानकारी नहीं है। हालांकि, उनका ब्रेकअप आपसी सहमति से हुआ है। दोनों इस मामले को सार्वजनिक नहीं करना चाहते हैं। फिलहाल पलक और इब्राहिम अपना पूरा ध्यान अपने-अपने करियर पर लगाना चाहते हैं।

कैसे शुरू हुई थी पलक और इब्राहिम के अफेयर की चर्चा?

पलक तिवारी और इब्राहिम अली खान के अफेयर की खबरें साल 2022 में सामने आई थीं। दोनों को पहली बार मुंबई के एक रेस्टोरेंट के बाहर साथ देखा गया था। इस दौरान पलक पैपराजी से अपना चेहरा छिपाती नजर आई थी। इसके बाद से ही दोनों के रिश्ते को लेकर चर्चाएं शुरू हो गई थीं। समय के साथ दोनों को कई मौकों पर एक साथ देखा गया। यहां तक कि दोनों के साथ छुट्टियां मनाने की खबरें भी सामने आईं। हालांकि, पलक और इब्राहिम ने कभी भी अपने रिश्ते को सार्वजनिक रूप से स्वीकार नहीं किया। अब दोनों के अलग होने की खबरों ने एक बार फिर उनके रिश्ते को चर्चा में ला दिया है।





प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र मुरमुंदा में हाथीपांव से प्रभावित मरीजों को एमएमडीपी किट का वितरण

स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नेतराम नवरतन ने फाइलेरिया पॉजिटिव मरीजों को निर्धारित उपचार पूर्ण रूप से लेने तथा प्रभावित अंग की नियमित साफ-सफाई व देखभाल करने के लिए किया प्रेरित

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव



जिले में फाइलेरिया उन्मूलन के लिए विभिन्न गतिविधियों का संचालन किया जा रहा है। इसी क्रम में डोंगरगढ़ विकासखंड के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र मुरमुंदा में हाथीपांव (फाइलेरिया) से प्रभावित मरीजों को आवश्यक सामग्री युक्त एमएमडीपी किट का वितरण किया गया। किट में मरीजों की दैनिक देखभाल एवं स्वच्छता के लिए मच्छरदानी, टब, मग, दवाइयां, तौलिया सहित अन्य आवश्यक सामग्री प्रदान की गई।

इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नेतराम नवरतन ने फाइलेरिया पॉजिटिव मरीजों को निर्धारित उपचार पूर्ण रूप से लेने तथा प्रभावित अंग की नियमित साफ-सफाई एवं देखभाल करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने एमएमडीपी किट में उपलब्ध सामग्री का नियमित रूप से उपयोग करने की अपील की। उन्होंने बताया कि नियमित स्वच्छता, प्रभावित अंग की उचित देखभाल एवं आवश्यक उपचार से फाइलेरिया से होने वाली जटिलताओं को नियंत्रित करने तथा फाइलेरिया की ग्रेडिंग को कम करने में सहायता मिल सकती है।

उन्होंने बताया कि जिले में फाइलेरिया नियंत्रण के प्रयासों के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। वर्ष 2023 में डोंगरगांव एवं डोंगरगढ़ विकासखंडों में 58 माइक्रोफाइलेरिया पॉजिटिव केस पाए गए थे। उस समय जिले की माइक्रोफाइलेरिया दर 5 प्रतिशत थी। वर्ष 2024 में एमडीए राउंड आयोजित किया गया, जिसमें 96 प्रतिशत कवरेज प्राप्त हुआ। इसके बाद माइक्रोफाइलेरिया पॉजिटिव मामलों में कमी दर्ज की गई। वर्ष 2025 में पुनः एमडीए राउंड आयोजित किया गया। जिसमें 97 प्रतिशत कवरेज प्राप्त हुआ। इसके बाद माइक्रोफाइलेरिया पॉजिटिव केस घटकर 12 रह गए तथा जिले की एमएफ दर घटकर लगभग 1 प्रतिशत हो गई। वर्ष 2026 में फाइलेरिया के छिपे हुए संक्रमण की पहचान के लिए नाइट ब्लड सर्वे किया गया। सर्वे के दौरान केवल 7 माइक्रोफाइलेरिया पॉजिटिव केस पाए गए। जिससे जिले की एमएफ दर घटकर 0.3 प्रतिशत रह गई। वर्ष 2026 के एमडीए राउंड में भी 99 प्रतिशत कवरेज प्राप्त हुआ।

जिला कार्यक्रम प्रबंधक संदीप ताम्रकार ने बताया कि नाइट ब्लड सर्वे में पॉजिटिव पाए गए सभी मरीजों का पूर्ण उपचार सुनिश्चित करने एवं नियमित फॉलोअप किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि फाइलेरिया नियंत्रण के लिए पॉजिटिव मरीजों की पहचान के बाद उनका पूरा उपचार एवं नियमित निगरानी अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने जिले को फाइलेरिया मुक्त बनाने के लिए फरवरी 2027 में आयोजित होने वाले एमडीए राउंड में सभी पात्र व्यक्तियों को दवा का सेवन करने की अपील की। लिम्फेटिक फाइलेरियासिस एक वेक्टर जनित रोग है, जो संक्रमित मादा क्यूलेक्स मच्छर के काटने से स्वस्थ व्यक्ति को रोग संक्रमण होता है। जिसके कारण शरीर के अंग प्रभावित होता है। हाथ पैर में सूजन, हाइड्रोसील सहित अन्य लक्षण पाए जाते है। इस अवसर पर मलेरिया कंसल्टेंट डॉ. संगीता पांडेय, बीईटीओ ज्योति कड़े, विकासखंड कार्यक्रम प्रबंधक मुक्ता कुजूर, मलेरिया सुपरवाइजर स्वाति बोरकर एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र मुरमुंदा के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. लिमेश जोशी उपस्थित रहे।

खास खबर

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से यशवंत नेताम के घर में आई खुशहाली



नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

3 किलोवाट का रुफटॉप सोलर पैनल लगवाने पर मिली 1 लाख 8 हजार रुपए की सब्सिडी

कभी हर महीने बिजली का बिल आने पर घर के बजट की चिंता सताने लगती थी, लेकिन अब उसी घर की छत पर लगे सोलर पैनल परिवार के लिए खुशहाली और आर्थिक बचत का माध्यम बन गए हैं। यह कहानी है राजनांदगांव जिले के छुरिया विकासखंड अंतर्गत ग्राम मांगीखुटा निवासी यशवंत नेताम की, जिनके जीवन में प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना ने सकारात्मक बदलाव लाया है। पहले उन्हें हर महीने 1500 से 2000 रूपए तक बिजली बिल का भुगतान करना पड़ता था, लेकिन अब उनके घर का बिजली बिल शून्य हो गया है। इससे परिवार को बड़ी आर्थिक राहत मिली है।

यशवंत नेताम ने प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत अपने घर की छत पर 3 किलोवाट क्षमता का रूफटॉप सोलर पैनल स्थापित कराया है। इसके लिए उन्हें केन्द्र एवं राज्य शासन की ओर से कुल 1 लाख 8 हजार रूपए की सब्सिडी प्राप्त हुई है। शासन की इस महत्वपूर्ण सहायता से उनके लिए सौर ऊर्जा अपनाना आसान हुआ। अब उनके घर में सूर्य की रोशनी से बिजली का उत्पादन हो रहा है और बिजली बिल पर खर्च होने वाली राशि की बचत हो रही है। नेताम ने बताया कि यह योजना केवल बिजली बिल में बचत का माध्यम नहीं, बल्कि परिवार की आर्थिक चिंताओं को कम करने वाली एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुई है। पहले बिजली बिल के भुगतान में खर्च होने वाली राशि अब परिवार की अन्य आवश्यकताओं के लिए उपयोगी हो सकती है। हर महीने होने वाली इस बचत ने उनके जीवन में नई उम्मीद और सुकून का संचार किया है। यशवंत नेताम ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना आम परिवारों के लिए अत्यंत लाभकारी है। इस योजना से बिजली बिल के खर्च से राहत मिलने के साथ ही स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा को भी बढ़ावा मिल रहा है।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना से किसान लीलाधर साहू को मिल रहा आर्थिक संबल



राजनांदगांव। किसानों की मेहनत और उनके सपनों को संबल देने के लिए संचालित प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना अन्नदाताओं के जीवन में आर्थिक सुरक्षा और आत्मविश्वास का नया उजाला लेकर आ रही है। खेती-किसानी में छोटी-छोटी जरूरतों को पूरा करने के लिए मिलने वाली आर्थिक सहायता किसानों के लिए बड़ी राहत साबित हो रही है।

इसी योजना से लाभान्वित राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम मोखला निवासी किसान लीलाधर साहू के जीवन में भी सकारात्मक बदलाव आ रहा है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत 24वीं किस्त के हस्तांतरण से उन्हें खेती-किसानी के कार्यों के लिए आर्थिक संबल मिला है। किसान लीलाधर साहू ने बताया कि खेती ही उनकी आजीविका का प्रमुख आधार है। खेतों में मेहनत कर फसल उगाना और परिवार की जरूरतों को पूरा करना उनके जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा है। खेती-किसानी के दौरान बीज, खाद एवं अन्य कृषि संबंधी आवश्यकताओं के लिए समय-समय पर राशि की जरूरत पड़ती है। ऐसे समय में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत मिलने वाली राशि उनके लिए मददगार साबित होती है। उन्होंने बताया कि योजना के अंतर्गत प्राप्त राशि का उपयोग वे खेती-किसानी के कार्यों में करते हैं। इससे कृषि संबंधी छोटी-छोटी जरूरतों को पूरा करने में सहूलियत मिलती है।

लीलाधर साहू ने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना किसानों के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है। योजना के अंतर्गत पात्र किसानों को प्रतिवर्ष तीन किस्तों में 2-2 हजार रूपए की राशि प्रदान की जाती है। इस प्रकार सालभर में कुल 6 हजार रूपए की आर्थिक सहायता सीधे किसानों के बैंक खातों में अंतरित की जाती है। यह राशि किसानों को खेती की आवश्यकताओं को पूरा करने में सहयोग प्रदान करती है।

खैरागढ़ में नि :शुल्क कैंसर जांच और परामर्श शिविर का आयोजन

कैंसर से संबंधित समस्याओं व अन्य संभावित लक्षणों वाले मरीजों की जांच कर दिए परामर्श

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़



कलेक्टर इंद्रजीत सिंह चंद्रवाल के मार्गदर्शन एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिल कुमार शुक्ला के निर्देशन में स्वास्थ्य विभाग, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई एवं रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल, रायपुर के संयुक्त तत्वावधान में आज सिविल अस्पताल, खैरागढ़ में निःशुल्क कैंसर जांच एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कुल 60 मरीजों ने पंजीयन कराया। इनमें बड़ी संख्या में ऐसे मरीज शामिल रहे, जो पहले से कैंसर का उपचार करा रहे हैं। इसके अतिरिक्त स्तन में गांठ, मुख कैंसर से संबंधित समस्याओं एवं कैंसर के अन्य संभावित लक्षणों वाले मरीजों की जांच कर आवश्यक परामर्श दिया गया।

शिविर में डॉ. बबलेश माहावर, हेड पेन एवं पैलिएटिव मेडिसिन विशेषज्ञ तथा डॉ. नवीन जैन, एमडीएस ने अपनी विशेषज्ञ सेवाएं प्रदान कीं। चिकित्सकों ने मरीजों को उपचार, दर्द एवं अन्य तकलीफों के प्रबंधन तथा आगे की आवश्यक जांच के संबंध में उचित चिकित्सकीय मार्गदर्शन दिया। शिविर का मुख्य उद्देश्य कैंसर की समय रहते पहचान करना, मरीजों को विशेषज्ञ परामर्श उपलब्ध कराना तथा आम नागरिकों में कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। जिला स्वास्थ्य विभाग द्वारा भविष्य में भी ऐसे शिविरों के माध्यम से विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने एवं कैंसर की प्रारंभिक पहचान को प्रोत्साहित करने के प्रयास जारी रखे जाएंगे।

शिविर में स्वास्थ्य विभाग की ओर से मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिल कुमार शुक्ला, सिविल सर्जन डॉ. आशीष शर्मा, जिला नोडल अधिकारी एनपी-एनसीडी डॉ. पंकज वैष्णव, बीएमओ खैरागढ़ डॉ. विवेक बिसेन, जिला कार्यक्रम प्रबंधक श्रीमती सोनल ध्रुव, आरएमएनसीएच श्रीमती आरती चतुर्वेदानी, जिला लेखा प्रबंधक नवीन चौहान एवं जिला डाटा प्रबंधक खिलेश साहू उपस्थित रहे।

12 नवंबर को होगा शहीद वीर नारायण सिंह स्मृति आदिवासी लोक कला महोत्सव

मोहला। जनजातीय गौरव सप्ताह के अंतर्गत जिले में शहीद वीर नारायण सिंह स्मृति आदिवासी लोक कला महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। कार्यालय आयुक्त, आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास, इन्द्रावती भवन, नवा रायपुर के निर्देशानुसार 12 नवंबर 2026 को जिला मुख्यालय मोहला में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित होगा। इस महोत्सव के माध्यम से आदिवासी लोककला, पारंपरिक नृत्य एवं जनजातीय सांस्कृतिक विरासत को प्रोत्साहित करने के साथ स्थानीय कलाकारों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। कार्यक्रम में सहभागिता के लिए मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले के इच्छुक आदिवासी लोक नर्तक दल 11 नवंबर 2026 तक संबंधित कार्यालय में उपस्थित होकर अपना पंजीयन करा सकते हैं। निर्धारित तिथि के बाद पंजीयन स्वीकार किए जाने के संबंध में कोई जानकारी नहीं दी गई है, इसलिए इच्छुक नर्तक दल समय-सीमा के भीतर पंजीयन कराना सुनिश्चित करें। महोत्सव में जिला स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले आदिवासी लोक नर्तक दल को रायगढ़ में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय कार्यक्रम में जिले का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिलेगा। यह आयोजन जिले की समृद्ध जनजातीय लोककला, परंपराओं एवं सांस्कृतिक पहचान को राज्य स्तर पर प्रस्तुत करने का महत्वपूर्ण मंच बनेगा। उल्लेखनीय है कि 11 नवंबर से 18 नवंबर 2026 तक जनजातीय गौरव सप्ताह मनाया जाएगा। इस दौरान जनजातीय समाज के गौरवशाली इतिहास, संस्कृति, परंपराओं एवं महापुरुषों के योगदान को स्मरण करते हुए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

अवैध सोनोग्राफी संचालन की शिकायत पर बालाजी डायग्नोस्टिक सेंटर सीलबंद



नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

नगर पंचायत गंडई के सामने संचालित ए ग्रुप ऑफ बालाजी डायग्नोस्टिक सेंटर में अवैध रूप से सोनोग्राफी सेंटर संचालन की शिकायत पर जांच के बाद आज सीलबंद करने की कार्रवाई की गई।

कलेक्टर सह समुचित प्राधिकारी पीसीपीएनडीटी के निर्देश एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के मार्गदर्शन में शिकायत की जांच के लिए उच्च स्तरीय समिति गठित की गई थी। समिति ने जांच कर अपना प्रतिवेदन जिला सलाहकार समिति के समक्ष प्रस्तुत किया। जिला सलाहकार समिति पीसीपीएनडीटी के निर्णय तथा कलेक्टर सह समुचित प्राधिकारी के आदेश पर गठित टीम ने सेंटर को सीलबंद किया।

कार्रवाई के दौरान डिप्टी कलेक्टर श्रीमती पूजा पिंचा, जिला नोडल अधिकारी पीसीपीएनडीटी डॉ. मनीष बघेल तथा सदस्य डॉ. पंकज वैष्णव, डॉ. बोधन सिंह परते एवं डॉ. विवेक बिसेन उपस्थित रहे। जनसमुदाय के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए जिले में इस प्रकार की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

पशुसखियों को मिला सम्मान, राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा ने प्रदान किए प्रमाण पत्र

मोहला। जिला मुख्यालय मोहला में आयोजित जिला स्तरीय छत्तीसगढ़ राज्योत्सव समारोह में बैंक ऑफ बड़ौदा ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी द्वारा संचालित (पशुसखी) प्रशिक्षण कार्यक्रम के सफल प्रशिक्षार्थियों को सम्मानित किया गया। समारोह की मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद श्रीमती लक्ष्मी वर्मा ने प्रशिक्षित पशुसखियों को प्रमाण पत्र वितरित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में धान विक्रय के लिए तुहर टोकन मोबाइल ऐप से मिलेगी सुविधा

10 नवंबर से प्राप्त कर सकेंगे टोकन, 24 घंटे उपलब्ध रहेगी ऑनलाइन सुविधा

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा



खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में धान विक्रय करने वाले किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए खाद्य नागरिक आपूर्ति विभाग द्वारा तुहर टोकन मोबाइल ऐप के माध्यम से टोकन जारी किए जाएंगे। इस सुविधा से किसानों को धान विक्रय के लिए टोकन प्राप्त करने हेतु समितियों में लंबी कतारों में लगने से राहत मिलेगी। किसान घर बैठे 24 घंटे ऑनलाइन टोकन प्राप्त कर सकेंगे।

तुहर टोकन मोबाइल ऐप गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध है। ऐप के माध्यम से किसान ओटीपी आधारित पंजीयन कर टोकन प्राप्त कर सकते हैं। समिति में निर्धारित प्रतिदिन की धान खरीदी सीमा का 70 प्रतिशत टोकन ऐप के माध्यम से तथा शेष 30 प्रतिशत टोकन समिति के माध्यम से जारी किए जाएंगे। ऐप के माध्यम से निर्धारित 70 प्रतिशत खरीदी सीमा में से 80 प्रतिशत लघु एवं सीमांत किसानों तथा 20 प्रतिशत दीर्घ किसानों के लिए निर्धारित रहेगा। दो एकड़ तक भूमि वाले लघु एवं सीमांत किसानों को एक टोकन, दो एकड़ से अधिक एवं 10 एकड़ तक भूमि वाले किसानों को दो टोकन तथा 10 एकड़ से अधिक भूमि वाले दीर्घ किसानों को तीन टोकन प्रदान किए जाएंगे।

पूर्व वर्ष की भांति किसान अपनी धान विक्रय की मात्रा की प्रविष्टि कर टोकन प्राप्त कर सकेंगे। पात्रतानुसार दूसरे एवं तीसरे टोकन के माध्यम से शेष धान की मात्रा का भी विक्रय किया जा सकेगा। किसान 10 नवंबर 2026 से ऐप के माध्यम से टोकन प्राप्त कर सकेंगे। इसके अंतर्गत 15 नवंबर 2026 से 15 जनवरी 2027 तक की अवधि के लिए टोकन काटे जा सकेंगे। विभाग द्वारा किसानों से अपील की गई है कि वे तुहर टोकन मोबाइल ऐप का उपयोग कर सुविधाजनक तरीके से धान विक्रय हेतु टोकन प्राप्त करें।

राज्य स्थापना दिवस पर कार्यक्रम | **स्टॉल में आने वाले जरूरतमंद लोगों, छात्र-छात्राओं को पॉक्सो एक्ट के बारे में दी गई जानकारी**

राज्योत्सव में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा दी गई नालसा के योजनाओं की दी जानकारी

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव





प्रधान एवं सत्र न्यायाधीश तथा अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण विजय कुमार होता के निर्देशन पर छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस की 26वीं वर्षगांठ राज्योत्सव 2026 के अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा जिला स्तरीय राज्योत्सव पद्मश्री गोविंदराम निर्मलकर ऑडिटोरियम राजनांदगांव में स्टॉल लगाया गया।

स्टॉल के माध्यम से राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर द्वारा संचालित की जाने वाली विधिक सेवा से संबंधित योजनाओं की जानकारी दी गई। जिसमें नालसा के हेल्पलाईन नंबर 15100, चाईल्ड हेल्पलाईन नंबर 1098, साईबर क्राईम हेल्पलाईन नंबर 1930, नालसा-आपदा पीड़ितों को विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से विधिक सेवा योजना-2010, नालसा-मानव तस्करी और वाणिज्यिक यौन शोषण पीड़ितों के लिए योजना, नालसा-असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए विधिक सेवा योजना, नालसा-बच्चों को मैत्रीपूर्ण विधिक सेवाएं और उनके संरक्षण के लिए योजना, साइबर क्राईम, सुरक्षित बचपन अभियान, आगामी नेशनल लोक अदालत से होने वाले लाभों, टोनही प्रताड़ना, घरेलू हिंसा, मोटरयान अधिनियम, विवाद पूर्व प्रकरणों, दहेज प्रतिषेध अधिनियम, भरण-पोषण, निःशुल्क कानूनी विधिक सेवा, एसिड हमलों के पीड़ितों के लिए सहायता योजना, नशा मुक्ति के उपाय, जिला प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे राज्य स्तर की योजना-आधार कार्ड, श्रम कार्ड, बाल विवाह के दुष्परिणाम होने वाली जानकारी दी गई।

ग्रामीण अंचल एवं शहरी क्षेत्र के नागरिकों को बताया गया कि यदि उनका दीवानी और फौजदारी से संबंधित किसी भी प्रकार का मामला, न्यायालय में (उच्चतम न्यायालय, उच्च न्यायालय, तहसील न्यायालय, राजस्व से संबंधित) लम्बित हो तो वे घबराए नहीं इसके लिए जिला स्तर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण राजनांदगांव, तालुका स्तर पर तालुका विधिक सेवा समिति-खैरागढ़, डोंगरगढ़, अम्बागढ़ चौकी एवं छुईखदान में संपर्क कर अपने मामले का निराकरण कराने हेतु वहां पदस्थ न्यायाधीश से निवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण राजनांदगांव में पदस्थ सचिव द्वारा स्टॉल में आने वाले जरूरतमंद लोगों, छात्र-छात्राओं को पॉक्सो एक्ट के बारे में जानकारी दी गई। जिसमें उम्र जेंडर न्यूट्रल एवं 18 साल से कम उम्र के बच्चों के साथ यौन अपराध, भले ही उसमें बच्चे के कथित सहमति ही क्यों न हो, सहमति का कोई महत्व नहीं है। इसमें सजा के प्रावधान का उल्लेख किया गया एवं साइबर अपराधों के बारे में भी अपने बचपन को सुरक्षित करने हेतु बताया गया। स्टॉल में सहयोग हेतु जिला विधिक सेवा प्राधिकरण राजनांदगांव से अधिकार मित्र उपस्थित थे। राज्योत्सव शामिल होने वाले नागरिकों के लिए सेल्फी जोन एवं न्याय वृक्ष लगाया गया था। जिसके माध्यम से नालसा की योजनाओं को प्रदर्शित किया गया।

स्वदेशी उत्पादों से रोशन करें घर-आंगन, स्थानीय कारीगरों को दें प्रोत्साहन : विधायक ललित चंद्राकर

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने प्रदेशवासियों से इस दीपावली स्वदेशी दिवाली मनाने और स्थानीय बाजारों से खरीदारी कर छत्तीसगढ़ के कारीगरों, शिल्पकारों एवं छोटे व्यापारियों को प्रोत्साहित करने की अपील की। उन्होंने कहा कि दीपावली खुशियों, उमंग और उत्साह का पर्व है। यह त्योहार केवल घरों को रोशन करने का ही नहीं, बल्कि समाज के हर वर्ग के जीवन में खुशियों का उजाला लाने का अवसर भी है।

विधायक श्री चंद्राकर ने कहा कि दीपावली की खरीदारी करते समय विदेशी उत्पादों के स्थान पर स्थानीय कारीगरों, शिल्पकारों, महिला स्व-सहायता समूहों एवं लघु उद्यमियों द्वारा तैयार किए गए स्वदेशी उत्पादों को प्राथमिकता दें। मिट्टी के दीये, हस्तनिर्मित सजावटी सामग्री, पारंपरिक कलाकृतियां, खादी वस्त्र एवं ग्रामोद्योग के उत्पाद खरीदकर स्थानीय हुनर, परंपरा और मेहनत को सम्मान दें।

उन्होंने कहा कि स्थानीय बाजार किसी भी शहर और प्रदेश की अर्थव्यवस्था की मजबूत आधारशिला होता है। जब हम अपने शहर के बाजारों से खरीदारी करते हैं, तो इसका सीधा लाभ स्थानीय दुकानदारों, छोटे व्यापारियों, फुटकर विक्रेताओं, कारीगरों और उनके परिवारों तक पहुंचता है। त्योहारों के दौरान स्थानीय बाजारों में होने वाली खरीदारी से व्यापारिक गतिविधियों को गति मिलती है, रोजगार के अवसर बढ़ते हैं और स्थानीय अर्थव्यवस्था मजबूत होती है। इसलिए हमारी



छोटी-सी खरीदारी भी किसी कारीगर के घर में खुशियां ला सकती है और किसी छोटे व्यापारी के व्यवसाय को नई ऊर्जा दे सकती है।

इसी क्रम में विधायक श्री चंद्राकर ने आजाद मार्केट रिसाली में आमजनों एवं व्यापारियों से मुलाकात कर स्वदेशी वस्तुएं अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने व्यापारियों से आग्रह किया कि वे अपनी दुकानों में अधिक से अधिक स्वदेशी और स्थानीय उत्पाद रखें, ताकि ग्राहकों को स्थानीय सामान आसानी से उपलब्ध हो सके। विधायक श्री चंद्राकर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वोकल फॉर लोकल और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को हमें इस दीपावली अपने आचरण में उतारना है। स्वदेशी अपनाना केवल खरीदारी नहीं, बल्कि अपने देश, अपनी मिट्टी और अपने लोगों के प्रति सम्मान है।

उन्होंने प्रदेशवासियों को दीपावली की अग्रिम शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह दीपावली सभी के जीवन में सुख, समृद्धि, स्वास्थ्य और खुशियों का उजाला लेकर आए। आइए, इस दीपावली हम संकल्प लें कि अपने घर-आंगन को स्वदेशी उत्पादों से रोशन करेंगे और स्थानीय कारीगरों के जीवन में भी खुशियों का दीया जलाएंगे।

बिलासपुर पुलिस का अर्पण कार्यक्रम, दीपावली पर 150 गुम मोबाइल लौटाए



बिलासपुर। DIG/SSP रजनेश सिंह के निर्देश पर बिलासपुर पुलिस के चेतना अभियान के तहत बुधवार को चेतना सभागार में अर्पण कार्यक्रम आयोजित किया गया। दीपावली के अवसर पर गुम हुए 150 मोबाइल उनके मालिकों को लौटाए गए, जिनकी कुल कीमत लगभग 30 लाख रुपये है।

वर्ष 2026 में अब तक बिलासपुर पुलिस करीब 1500 मिसिंग मोबाइल रिकवर कर राज्य में प्रथम स्थान पर है। अतिरिक्त एसपी मधुलिका सिंह के मार्गदर्शन में ACCU टीम ने छत्तीसगढ़ सहित सीमावर्ती राज्यों से मोबाइल रिकवर किए। खोया मोबाइल पाकर लोगों के चेहरे खिल उठे। रक्षाबंधन पर भाई का गिफ्ट, पहली कमाई से मां को दिया फोन, अस्पताल में गुम हुआ मोबाइल वापस मिलने पर लोगों ने भावुक होकर पुलिस का आभार जताया। हाईकोर्ट की एक अधिवक्ता और एक दिव्यांग बुजुर्ग को भी अपना फोन वापस मिला। कार्यक्रम में ACCU प्रभारी गोपाल सतपथी ने साइबर फ्रॉड और संचार साथी ऐप के बारे में जागरूक किया। इस अवसर पर अतिरिक्त एसपी पंकज पटेल, डीएसपी सुदीप सरकार सहित अधिकारी उपस्थित रहे।

राज्य का जल, जंगल, जमीन फिर अडानी को सौंपा जा रहा : दीपक बैज

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर



प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में डबल इंजन सरकार पर बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि सूरजपुर में अडानी के 4800 मेगावाट सुपरक्रिटिकल कोयला आधारित पावर प्लांट को बिना पूरी जानकारी के पर्यावरण स्वीकृति दे दी गई है।

बैज ने कहा कि कंपनी के पास अभी सिर्फ 465.92 हेक्टेयर जमीन है, जबकि प्रोजेक्ट के लिए 673.5 हेक्टेयर चाहिए। शेष 207.58 हेक्टेयर वन भूमि है, जिसके डायवर्सन के लिए आवेदन तक नहीं हुआ है, फिर भी पर्यावरण स्वीकृति दे दी गई। यह प्लांट गुम्मा, चिरवान, मुड़गांव जैसे संरक्षित वनों और सलका, नारायणपुर गांवों व प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के 150-250 मीटर पास में है।

उन्होंने सवाल उठाया कि 84 मिलियन घनमीटर पानी सालाना कहां से आएगा? संभवतः हसदेव बांगो जलाशय से, जो सिंचाई का प्रमुख स्रोत है। अगर पानी अडानी को दिया गया तो किसानों का क्या होगा? बिना ग्रामसभा की सहमति और पानी के स्रोत का उल्लेख किए बिना स्वीकृति कैसे दी गई?

डीएड अभ्यर्थियों से बर्बरता निंदनीय

बैज ने कहा कि 321 दिन से हड़ताल पर बैठे 2300 डीएड अभ्यर्थी कोर्ट के आदेश के तहत सहायक शिक्षक नियुक्ति की मांग कर रहे हैं। आज सपरिवार शिक्षा मंत्री के निवास पहुंचे अभ्यर्थियों के साथ मारपीट कर हटाया गया, यह विष्णु सरकार का अत्याचारी सुशासन है।

पटवारी हड़ताल पर सरकार का रवैया तानाशाही

पटवारियों की हड़ताल पर बैज ने कहा कि सरकार बातचीत के बजाय सैकड़ों पटवारियों को सस्पेंड कर रही है और सर्विस ब्रेक की धमकी दे रही है। पीवी ऐप (फिजिकल वेरिफिकेशन) में तकनीकी खामियों के कारण पटवारी परेशान हैं। हड़ताल से धान खरीदी की तैयारी, किसानों का पंजीयन और खसरा-खतौनी बाधित हो रही है। सरकार जानबूझकर हड़ताल खत्म नहीं करवा रही ताकि धान कम खरीदना पड़े।

दीपावली पर 2.71 लाख महिलाओं को महतारी वंदन की किस्त नहीं मिली : कांग्रेस का भाजपा सरकार पर आरोप



छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने भाजपा सरकार पर आरोप लगाया है कि दीपावली के समय 2 लाख 71 हजार 590 महिलाओं को महतारी वंदन योजना की 33वीं किस्त से वंचित किया गया है। मुख्य प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहली किस्त 70 लाख 12 हजार महिलाओं के लिए जारी की थी, लेकिन गृहमंत्री अमित शाह द्वारा जारी 33वीं किस्त में संख्या घटकर 67 लाख 40 हजार 510 रह गई। सरकार बताए कि इन महिलाओं की राशि क्यों रोकी गई, कितने नाम काटे गए और कितनी महिलाएं अपात्र घोषित की गईं। उन्होंने कहा कि भाजपा ने सवा करोड़ महिलाओं से आवेदन भरवाए थे, लेकिन सत्ता में आकर पात्रता-अपात्रता की छंटनी में उलझा दिया। यह महिलाओं के आर्थिक स्वावलंबन के नाम पर छलावा है। चुनाव में 500 रुपये में गैस सिलेंडर, स्वरोजगार कर्ज, रेडी टू ईट और शराबबंदी जैसे वादे किए गए थे, जो पूरे नहीं हुए। कांग्रेस ने मांग की है कि वंचित महिलाओं की सूची सार्वजनिक कर कारण बताया जाए और बकाया राशि सहित भुगतान किया जाए।

लोकतंत्र बचाओ-अराजकता हटाओ नारे के साथ भाजपा की पदयात्रा, कांग्रेस पर साधा निशाना



नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

भाजपा ने गुरुवार को जिला मुख्यालय में 'लोकतंत्र बचाओ-अराजकता हटाओ' के नारे के साथ जागरूकता पदयात्रा निकाली। सिग्नल चौक में सभा के बाद शहर के प्रमुख मार्गों पर रैली निकाली गई।

कैबिनेट मंत्री दयालदास बघेल, जिलाध्यक्ष अजय साहू, विधायक दीपेश साहू, रजकका बोर्ड अध्यक्ष प्रहलाद रजक, पूर्व विधायक लाभचंद बाफना और नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा समेत सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल हुए।

मंत्री बघेल ने कहा कि विपक्ष अराजकता फैला रहा है। राहुल गांधी एसआईआर को लेकर कुप्रचार कर रहे हैं। 13 करोड़ नामों में से 2.80 करोड़ मृत मतदाता, 6 करोड़ स्थायी रूप से स्थानांतरित, 1 करोड़ दो जगह दर्ज और 3 करोड़ पता नहीं वाले मतदाता हैं।

जिलाध्यक्ष अजय साहू ने कहा कि राफेल, हिंडनबर्ग और चुनावी हार के बाद कांग्रेस संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम कर रही है। विधायक दीपेश साहू और लाभचंद बाफना ने भी कांग्रेस पर भ्रम फैलाने का आरोप लगाया।

राष्ट्रीय बागवानी मिशन से किसान अमरनाथ की खेती को मिली नई दिशा

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव



राष्ट्रीय बागवानी मिशन किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों से जोड़कर उनकी खेती को अधिक उन्नत एवं लाभकारी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। राष्ट्रीय बागवानी मिशन से लाभान्वित होकर राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम देवादा निवासी किसान अमरनाथ साहू ने खेती को नई दिशा दी है। किसान अमरनाथ साहू परंपरागत रूप से धान की खेती करते थे। उन्होंने राष्ट्रीय बागवानी मिशन के तहत आधुनिक उद्यानिकी तकनीकों को अपनाकर विभिन्न प्रकार की सब्जियों, भाजी, फूलों एवं फलों की खेती कर रहे हैं।

कृषक अमरनाथ साहू को राष्ट्रीय बागवानी मिशन अंतर्गत मल्चिंग तकनीक का लाभ प्रदान किया गया है। मल्चिंग के उपयोग से मिट्टी में नमी का संरक्षण होता है, खरपतवारों की समस्या कम होती है तथा फसलों की बेहतर देखभाल में सहायता मिलती है। इससे सिंचाई के पानी के बेहतर उपयोग और फसल प्रबंधन में भी सुविधा होती है। राष्ट्रीय बागवानी मिशन के माध्यम से आधुनिक कृषि तकनीकों को बढ़ावा दिया जा रहा है। किसानों को परंपरागत खेती से आगे बढ़कर उद्यानिकी फसलों की ओर प्रोत्साहित कर रही है।

किसान अमरनाथ साहू के बताया कि उनके पास कुल 10 एकड़ कृषि भूमि है। पहले वह परंपरागत रूप से धान की खेती करते थे, लेकिन उद्यानिकी फसलों की संभावनाओं को देखते हुए खेती में विविधीकरण का निर्णय लिया। वर्तमान में लगभग 7.50 एकड़ क्षेत्र में विभिन्न प्रकार की सब्जियों व फूलों तथा 2.50 एकड़ क्षेत्र में केले की खेती कर रहे हैं। खेतों में बैंगन, मिर्च, गोभी, करेला, चिचिंडा, भिंडी, बरबट्टी, सेम, खीरा, कद्दू, लौकी, मूली, गेंदाफूल सहित विभिन्न प्रकार की भाजी की फसल ले रहे है। विभिन्न फसलों की खेती से मौसम एवं बाजार की मांग के अनुरूप उत्पादन करने के अवसर मिल रही है। उद्यानिकी फसलों के उत्पादन करने के साथ स्थानीय बाजार में विक्रय भी करते है।

कृषक अमरनाथ साहू ने राष्ट्रीय बागवानी मिशन के तहत मिले आधुनिक उद्यानिकी तकनीकी मार्गदर्शन के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को धन्यवाद दिया है। कृषक अमरनाथ साहू ने राष्ट्रीय बागवानी मिशन के माध्यम से आधुनिक तकनीकों का लाभ लेकर खेती में नवाचार और फसल विविधीकरण का सराहनीय उदाहरण प्रस्तुत किया है।

धमतरी पुलिस का अवैध कारोबारियों पर प्रहार, 1.46 लाख के अवैध पटाखे जब्त

नई दृष्टिबिंदु / धमतरी

त्योहारी सीजन में एसपी श्रीमती भावना पांडेय के निर्देशन में धमतरी पुलिस ने तीन थाना क्षेत्रों में एक साथ कार्रवाई करते हुए अवैध पटाखा और शराब कारोबार पर शिकंजा कसा है। कुल 3 आरोपियों के खिलाफ विस्फोटक अधिनियम और आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

थाना नगरी - 1.30 लाख के पटाखे जब्त : ग्राम फरसिया में घर स्थित दुकान में बिना लाइसेंस पटाखों के भंडारण की सूचना पर निरीक्षक उमेश पाटिल की टीम ने दबिश दी। आरोपी उदित नारायण सिन्हा पिता जीवन लाल निवासी फरसिया के कब्जे से 1,30,000 रुपये के पटाखे जब्त किए गए। अपराध क्र. 82/2026 धारा 9(ख) विस्फोटक अधिनियम के तहत मामला दर्ज।

थाना मगरलोड - 16,500 के पटाखे बरामद : भरदा मार्ग स्थित बेकरी एवं किराना स्टोर्स में दबिश देकर आरोपी भानूप्रताप साहू पिता धनीराम साहू (36) निवासी वार्ड-03 मगरलोड के कब्जे से 16,500 रुपये के पटाखे बरामद किए गए। अपराध क्र. 221/2026 धारा 9(ख) विस्फोटक अधिनियम के तहत कार्रवाई।

चौकी बिरेझर - अवैध शराब बेचते पकड़ाया : ग्राम कंचना नाला पुल के पास घेराबंदी कर प्रेम कुमार चतुर्वेदी पिता पंचराम (20) निवासी कंचना को 11 पौवा देसी शराब बेचते पकड़ा गया। कुल 1,250 रुपये की संपत्ति जब्त। अपराध क्र. 375/2026 धारा 34(1)(ख) आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई।

पुलिस ने अपील की है कि बिना लाइसेंस पटाखों का भंडारण न करें और अवैध गतिविधियों की सूचना नजदीकी थाने को दें।



अवैध पटाखा भंडारण करने वाला कॉस्मेटिक दुकान संचालक गिरफ्तार, 70 हजार के पटाखे जब्त



रायपुर। रायपुर पुलिस कमिश्नरेट ने अवैध रूप से पटाखों का भंडारण कर बिक्री करने वाले दुकान संचालक को गिरफ्तार किया है। आरोपी रूपेश ठाकुर पिता धनीराम ठाकुर (41) बजरंग नगर स्थित ए टू जेड कॉस्मेटिक दुकान में बिना लाइसेंस के फुलझड़ी, अनारदाना, चकरी, लाल दाना, ताज, तोता बत्ती, रस्सी पटाखा, स्काई शॉट और पटाखा फोड़ने वाली बंदूक सहित 70 हजार रुपये कीमत के पटाखे रखकर बिक्री कर रहा था। डीसीपी पश्चिम जोन रॉबिन्सन गुरिया के निर्देशन में थाना आजाद चौक प्रभारी अर्चना धुरंधर और नगर निगम जोन-7 की संयुक्त टीम ने दबिश देकर कार्रवाई की। आरोपी के खिलाफ थाना आजाद चौक में अपराध क्रमांक 281/26 धारा 287 बीएनएस और विस्फोटक अधिनियम 9(ख)(1)(क) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

14 साल बाद बढ़ेगी RTE प्रतिपूर्ति राशि, शासन ने बनाई कमेटी, प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन ने जताया आभार

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के स्कूल शिक्षा विभाग ने प्राइवेट स्कूल मैनेजमेंट एसोसिएशन की वर्षों पुरानी मांग पूरी करते हुए शिक्षा के अधिकार (RTE) के तहत निजी स्कूलों को दी जाने वाली प्रतिपूर्ति राशि में वृद्धि के लिए कमेटी का गठन कर दिया है।

कमेटी द्वारा अनुशंसित फीस ही अब विभाग द्वारा निजी स्कूलों को प्रतिपूर्ति के रूप में प्रदान की जाएगी। कमेटी गठन पर एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री और स्कूल शिक्षा मंत्री को धन्यवाद दिया है। बता दें कि 14 वर्षों से फीस वृद्धि नहीं होने के विरोध में एसोसिएशन ने 1 मार्च से 17 मई तक असहयोग आंदोलन किया था, जिसके बाद शासन ने कमेटी गठन का आश्वासन दिया था।







"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100